Website : jankhabar.com

RNI No.: DELHIN/2013/52747

जनख़बर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

'मिला जुला रिजल्ट, मैं ... 7

500 से ज्यादा फिल्में... 8

वर्ष : 12 | अंक : 31 | रविवार, नई दिल्ली, 18 मई से 24 मई 2025 | साप्ताहिक | मूल्य : 3 रुपये | पृष्ठ : 8

संक्षिप्त खबरें

पहाड़गंज में निमार्णाधीन इमारत गिरी, १ की मौत

नई दिल्ली।। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया। आरा कंसा रोड स्थित कृष्णा होटल के पास एक निर्माणाधीन इमारत का हिस्सा गिर गया। इस घटना में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6:35 बजे दमकल विभाग को सूचना मिली कि बेसमेंट का काम चल रहा था, तभी बगल की दीवार अचानक गिर गई।

दीवार के गिरते ही वहां काम कर रहे कुछ लोग मलबे में दब गए। दमकल विभाग की चार गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू कर दिया। शुरुआती रेस्क्यू में तीन लोगों को सुरक्षित निकाला गया और अस्पताल भेजा गया।

गोगी- जठेड़ी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली।। दिल्ली के नरेला इलाके से गोगी-जठेड़ी गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान अक्षत खत्री और बिजेन्द्र उर्फ गंजा के पास एक अत्याधुनिक पिस्तौल और दो कारतूस मिले।

श्रीगुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स की लाइब्रेरी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली।। दिल्ली पीतमपुरा के श्रीगुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में भीषण आग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों द्वारा आघ बुझाने का सिलसिला चल रहा है। आग लाइब्रेरी की तीसरी मंजिल पर लगी। घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था। जानहानि की कोई खबर सामने नहीं आई है। जबकि दस्तावेज और अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

डीएमआरसी की तर्ज पर १ और बस डिपो को अनुमति

नई दिल्ली।। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) की तर्ज पर डीटीसी दो और बस डिपो में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति देगी। इससे मिलने वाला राजस्व को डिपो के रेनोवेशन पर खर्च किया जाएगा। इस योजना में दिल्ली परिवहन निगम (DTC) अपने बंदा बहादुर मार्ग और सुखदेव विहार बस डिपो को शामिल करने जा रहा है।

डीटीसी को उम्मीद है कि वो अपने इन दो डिपो में कमर्शियल गतिविधियों को अनुमति देकर करीब 2,600 करोड़ रुपए जुटाएगा।

अपने क्षेत्र की समस्या या खबर के लिए संपर्क करें

ब्यूरो चीफ 'जनखबर':
राकेश कुमार
Mob.: 9560484749

वे शानदार चीजें बनाते हैं... पाकिस्तानियों की तारीफ, भारत पर उठाए सवाल, ट्रंप के रुख ने बढ़ाई टेंशन

एजेंसी

नई दिल्ली।।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में पाकिस्तान की जमकर तारीफ की। उन्होंने पाकिस्तानियों को 'तेज दिमाग वाले लोग' बताया। कहा कि वे 'शानदार चीजें' बनाते हैं। यह बात उन्होंने तब कही, जब पाकिस्तान के निर्यात पर 29% का भारी टैक्स लगने का खतरा मंडरा रहा है। ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार को लेकर सख्त रवैया दिखाया। उन्होंने भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाला देश बताया। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि भारत ने अमेरिकी सामानों पर सभी टैक्स हटाने की पेशकश की है। इन बयानों के बीच भारत के साथ व्यापार वार्ता रुकी हुई है। भारत से आने वाले सामानों पर लगे 27% अमेरिकी टैक्स पर अस्थायी रोक लगी है। ट्रंप के इन बयानों से भारत में चिंता बढ़ गई है। लोगों को डर है कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' पॉलिसी अप्रत्याशित है।

ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका के साथ व्यापार करना चाहता है। जबकि सच यह है कि पाकिस्तान पहले से ही अमेरिका को 5 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान बेचता है। वहीं, अमेरिका से सिर्फ 2.1 अरब डॉलर का सामान खरीदता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान की प्रशंसा की है। वहां के लोगों को 'तेज दिमाग वाला' बताया है। उन्होंने भारत पर दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने का आरोप लगाया। ट्रंप ने दावा किया कि भारत अमेरिकी सामानों पर सभी टैक्स हटाने को तैयार है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ट्रंप के दावे का विरोध किया।

भारत के प्रति कड़ा रवैया अपनाया : ट्रंप ने भारत के प्रति सख्त रवैया अपनाया। उन्होंने भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाला देश कहा। ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने अमेरिकी सामानों पर सभी टैक्स खत्म करने की बात कही है। उन्होंने कहा, 'क्या आप जानते हैं कि वो अमेरिका के लिए अपने 100% टैक्स को कम करने को तैयार हैं?' हालांकि, उन्होंने तुरंत कहा कि उन्हें कोई जल्दी नहीं है। 'वह जल्द ही होगा। मुझे कोई जल्दी नहीं है।'

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ट्रंप के दावे का विरोध किया। उन्होंने कहा कि बातचीत 'जटिल' है और कोई भी समझौता आपसी रूप से फायदेमंद होना चाहिए।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने व्यापार का इस्तेमाल भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के लिए किया। उन्होंने कहा, 'वह एक परमाणु युद्ध होने वाला था, मुझे लगता है या करीब।' उन्होंने कहा कि उन्होंने आर्थिक सौदेबाजी के जरिए युद्धविराम करवाया। ट्रंप बोले, 'मैं व्यापार का इस्तेमाल स्कोर तय करने और शांति स्थापित करने के लिए कर रहा हूं।'

ट्रंप के बयानों से भारत में बढ़ी टेंशन : आने वाले हफ्तों में अमेरिका कई देशों के साथ टैरिफ को दोबारा रीसेट करने की तैयारी में जुटा है। ट्रंप के बयानों ने भारत में चिंता बढ़ा दी है। लोगों को डर है कि उसकी 'अमेरिका फर्स्ट' पॉलिसी अप्रत्याशित है। इस पॉलिसी में रणनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की तारीफ की जाती है, जबकि भारत जैसे लोकतांत्रिक सहयोगियों को संदेह में रखा जाता है। भारत ने कुछ अमेरिकी सामानों जैसे कि शराब और मोटरसाइकिलों पर टैक्स कम कर दिया है। लेकिन, एक बड़ा समझौता अभी भी नहीं हो पाया है। ट्रंप के बयानों से पता चलता है कि अमेरिका की व्यापार नीति कितनी अप्रत्याशित है। यह भारत जैसे देशों के लिए चिंता का विषय है। कारण है कि उन्हें नहीं पता कि अमेरिका आगे क्या करेगा।

ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' पॉलिसी का मतलब है कि अमेरिका अपने हितों को सबसे पहले रखेगा। यानी वह दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौतों को फिर से बातचीत करने या उनसे बाहर निकलने के लिए तैयार है। भले ही इससे उन देशों को नुकसान हो।

भारत को इस स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। उसे अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखनी होगी। साथ ही, उसे दूसरे देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करना होगा।

भारत की परमाणु ताकत की 51वीं वर्षगांठ पर राहुल ने इंदिरा को किया याद

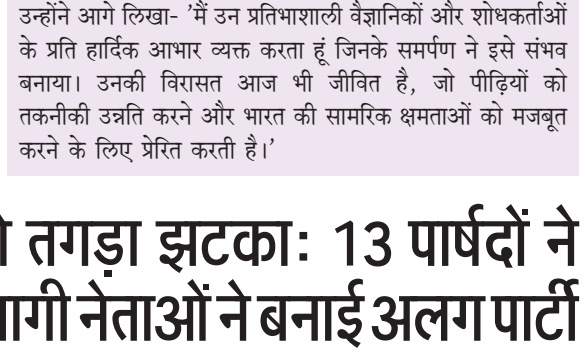

एजेंसी

नई दिल्ली।। राजस्थान के पोकरण से 18 मई को ठीक 51 साल पहले दुनिया को भारत के परमाणु संपन्न होने का आभास हुआ था। 18 मई 1974 को ऑपरेशन 'स्माइलिंग बुद्धा' ने भारत को परमाणु ताकत वाले देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया था। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक तस्वीर साझा कर उस उपलब्धि को नमन किया है।

राहुल ने सोशल प्लेटफॉर्म फेसबुक पोस्ट में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री को याद किया और उन अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने लिखा- 'श्रीमती इंदिरा गांधी के दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व में, भारत ने 51 साल पहले राजस्थान के पोकरण में अपना पहला परमाणु परीक्षण, 'ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा' किया था।'

उन्होंने उन हीरोज को याद किया जिनकी काबिलियत के बूते भारत दुनिया के छह परमाणु संपन्न राष्ट्रों में शामिल हो गया। उन्होंने आगे लिखा- 'मैं उन प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिनके समर्पण ने इसे संभव बनाया। उनकी विरासत आज भी जीवित है, जो पीढ़ियों को तकनीकी उन्नति करने और भारत की सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए प्रेरित करती है।'

AAP पार्टी को तगड़ा झटका: 13 पार्षदों ने दिया इस्तीफा, बागी नेताओं ने बनाई अलग पार्टी

एस. एन. गुप्ता
(वरिष्ठ संवाददाता)

नई दिल्ली।। देश की राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) पार्टी को बड़ा झटका लगा है। AAP पार्टी के 13 पार्षदों ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बागी पार्षदों ने नई पार्टी बनाने की घोषणा की है। बताया जा रहा है कि, एमसीडी में बागी नेताओं ने अपना अलग गुट बना लिया है। निगम के 13 पार्षदों ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी बनाने का फैसला किया है। हेमचंद गोयल के नेतृत्व में थर्ड फ्रंट बनाने का फैसला किया गया है। नई पार्टी के अध्यक्ष मुकेश गोयल होंगे।

13 बागी पार्षदों ने AAP से दिया इस्तीफा : सूत्रों के अनुसार, आम आदमी पार्टी से जिन पार्षदों ने इस्तीफा दिया है, उनमें हेमनचंद गोयल, दिनेश भारद्वाज, हिमानी जैन, उषा शर्मा, साहिब कुमार, राखी कुमार, अशोक पांडेय, राजेश कुमार, अनिल राणा, देवेंद्र कुमार, हिमानी जैन का नाम शामिल है।

बागी पार्षदों ने लगाए ये बड़े आरोप : आम आदमी पार्टी पर इन बागी पार्षदों ने आरोप लगाया कि जनता से जो वादे किए गए थे उन्हें पूरा नहीं किया गया है। 2022 में वे आम आदमी पार्टी के टिकट पर एमसीडी में पार्षद चुने गए थे। लेकिन एमसीडी की सत्ता में आने के बावजूद आम आदमी पार्टी ने के शीर्ष नेतृत्व एमसीडी की सुचारू ढंग से नहीं चला पाया है।

AAP पार्षद ने बताई इस्तीफा देने की वजह : आप से इस्तीफा देने पर AAPपार्षद हिमानी जैन का कहना है कि, हमने नई पार्टी बनाई है, इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी। हमने आप से इस्तीफा दे दिया है। पिछले 2.5 साल में निगम में कोई काम नहीं हुआ जो होना चाहिए था। हम सत्ता में थे, फिर भी हमने कुछ नहीं किया है। हमने नई पार्टी बनाई है क्योंकि हमारी विचारधारा दिल्ली के विकास के लिए काम करना है। हम उस पार्टी का समर्थन करेंगे जो दिल्ली के विकास के लिए काम करेगी। अभी तक 15 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं, और भी लोग शामिल होने की खबर हैं।

ज्योति मल्होत्रा करती थी 20 हजार की नौकरी, फिर शुरू किया यूट्यूब चैनल, जानें कैसे बन गई पाकिस्तान की जासूस

एजेंसी

हिसार।। हरियाणा के हिसार की रहने वाली मशहूर यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. 'ट्रैवल विद जो' नाम से चलने वाले उनके यूट्यूब चैनल के 3.78 लाख सब्सक्राइबर्स हैं, और वे सोशल मीडिया पर एक चर्चित चेहरा मानी जाती थीं. अब उसकी गिरफ्तारी से हर कोई हैरान है.

ज्योति मल्होत्रा के इंस्टाग्राम पर 1.33 लाख फॉलोअर्स, फेसबुक पर 3.21 लाख फॉलोअर्स और यूट्यूब पर करीब 4 लाख सब्सक्राइबर्स हैं. वह भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों जैसे मनाली, मसूरी, जैसलमेर, जयपुर और कश्मीर पर व्लॉग बनाकर लोकप्रिय हुई थीं.

हालांकि, जांच एजेंसियों का दावा है कि ज्योति का पाकिस्तान

जाना और वहां कुछ खास लोगों से मिलना संदेह के घेरे में है. सोशल मीडिया पर वायरल एक फोटो में वह पाकिस्तान उच्चायुक्त की पार्टी में अन्य भारतीय व्लॉगर्स के साथ नजर आई थीं. यहीं से उनकी कथित जासूसी की कहानी शुरू होती है.

महीने में 20-25 हजार कमाती थी ज्योति : ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मेरी बेटी दिल्ली में रहकर महीने में 20-25 हजार रुपये कमाती थी. कोविड के बाद वह हिसार लौट आई थी.'

उनका कहना है कि ज्योति ने केवल ट्रैवल व्लॉगिंग के शौक से यूट्यूब शुरू किया था, लेकिन अब जो आरोप उस पर लगे हैं, वे चौंकाने वाले हैं.

कैसे बनी पाकिस्तान की स्पाई : सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की सकारात्मक छवि दिखाने और उसकी नीतियों के पक्ष में प्रचार करने के लिए विदेशी एजेंटों ने ज्योति को चुना था. बताया जा रहा है कि पाकिस्तान में उसका व्यवहार संदिग्ध रहा और वह कुछ ऐसे लोगों के संपर्क में थी जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा माने जाते हैं.

अब ज्योति पर देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने और संवेदनशील जानकारियां साझा करने का शक है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि उसे किससे संपर्क था, क्या जानकारी उसने साझा की, और क्या इसके बदले उसे कोई आर्थिक लाभ मिला.

हिंद के ये 7 सितारे, जो पूरी दुनिया में पाकिस्तान की बजाएंगे बैंड, मोदी की टीम इंडिया से मिलिए

एजेंसी

भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिली भरपूर चोट के बावजूद पाकिस्तान अपनी शेखी बघार रहा है. भारत की सैन्य शक्ति के आगे बेबस साबित हुआ पाकिस्तान सीजफायर को अपनी जीत की तरह पेश कर रहा है. हालांकि अब पूरी दुनिया में उसकी पोल खोलने के लिए भारत सरकार ने 7 डेलिगेशन की टीम बनाई है. हर टीम को एक सांसद लीड करेगा, जो प्रमुख साझेदार देशों में जाकर पाकिस्तान की बैंड बजाएंगे.

तो आइए मिलते हैं हिंद के इन सात सितारों से, जो पाकिस्तान के झूठ का पर्दा फाश करेंगे...

शशि थरूर- कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से चार बार के सांसद हैं. वह एक जाने-माने लेखक और राजनयिक भी हैं. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में लंबे समय तक सेवा की है और उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान है. 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान, थरूर ने पाकिस्तान के आतंकवाद

समर्थन को लेकर तीखी आलोचना की और भारत सरकार की रणनीति का समर्थन किया. उनकी बयानबाजी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को घेरने में मदद की.

रविशंकर प्रसाद- बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पटना साहिब से सांसद रविशंकर एक अनुभवी वकील और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं. उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. प्रसाद ने सोशल मीडिया और संसद में पाकिस्तान के खिलाफ मजबूत बयान दिए, जो भारत की रणनीति को समर्थन देने में मददगार साबित हुए.

संजय कुमार झा – जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी माने जाते हैं. उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बिहार में पाकिस्तान विरोधी रैलियों का नेतृत्व किया. उन्होंने पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों को लेकर तीखी आलोचना की और भारत की एकता को मजबूत करने में योगदान दिया. उनकी भूमिका बिहार जैसे राज्यों में जनता को एकजुट करने में महत्वपूर्ण रही.

बैजयंत पांडा- बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और ओडिशा से सांसद पांडा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ओडिशा में तिरंगा यात्राओं का नेतृत्व किया. उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मजबूत बयान दिए और भारत की रणनीति का समर्थन किया. पांडा की अंतरराष्ट्रीय पहचान और उनकी राजनैतिक समझ ने इस अभियान को और मजबूत किया.

कनिमोझी करुणानिधि – सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों की मुखर आवाज कनिमोझी डीएमके की वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु से सांसद हैं. उन्होंने आतंकवाद और पाकिस्तान की दोहरी नीति पर कड़ा रुख लिया है. दक्षिण भारत से आने वाली यह आवाज दिखाती है कि राष्ट्र सुरक्षा जैसे मुद्दों पर राजनीतिक सीमाएं मिट जाती हैं.

सुप्रिया सुले- एनसीपी की वरिष्ठ नेता और बारामती से सांसद हैं. शरद पवार की बेटी और संसदीय मामलों में अनुभवी सुप्रिया सुले ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत की स्थिति को स्पष्ट रूप से उजागर किया है. सुले की राजनैतिक समझ और जनता से सीधे जुड़ने की काबिलियत उसे इस टीम का बड़ा चेहरा बनाती है.

श्रीकांत शिंदे- शिव सेना के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं. पेशे से डॉक्टर रहे श्रीकांत शिंदे ने सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि भारत अब जवाब देने से नहीं डरता. शिंदे की भूमिका महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जनता को एकजुट करने में महत्वपूर्ण रही.

'ऑपरेशन सिंदूर' की मार पाकिस्तान अभी भूला भी नहीं होगा कि अब उसे कूटनीतिक मोर्चे पर भी दुनियाभर में बनेकाब करने की तैयारी शुरू कर दी गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह टीम इंडिया पाकिस्तान की रणनीति को बेनकाब करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की स्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

हैदराबाद: चारमीनार के पास गुलजार हाउस में भीषण अग्निकांड, अग्रवाल समाज के 18 लोगों की दर्दनाक मौत

जनखबर संवाददाता

हैदराबाद के ओल्ड सिटी इलाके में स्थित ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हाउस क्षेत्र में आज सुबह लगभग 6 बजे एक भीषण आग लग गई। यह हादसा इतना भयावह था कि इसमें अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित मोदी परिवार के 18 सदस्यों की दर्दनाक मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जो देखते ही देखते सेकंड और थर्ड फ्लोर तक फैल गई।

आज का दिन हैदराबाद और सिकंदराबाद के अग्रवाल समाज के लिए अत्यंत दुखदायी और हृदय विदारक है। पूरा मोदी परिवार इस त्रासदी में समाप्त हो गया, जिससे समाज में शोक की लहर फैल गई है। अग्रवाल भाइयों पर आई यह शायद अब तक की सबसे बड़ी विपदा है।

इस दुर्घटना से हर किसी की आत्मा कांप उठी है। : ईश्वर से प्रार्थना है कि वह मृतकों की आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान करे। परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति दे, और घायल लोगों को शीघ्र स्वस्थ करें।

प्रशासन और राहत दल मौके पर मौजूद हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में मंत्री के बेलगाम बोल

एस.एन. गुप्ता

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के 'आपरेशन सिंदूर' की कामयाबी पर जहां पूरा देश गौरवान्वित है, वहीं मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री विजय शाह की बदजुबानी से सभी देशवासियों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। सार्वजनिक मंच पर कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में मंत्री ने जिस तरह की बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की, उससे भारत की सौहार्द और धर्मनिरपेक्षता की भावना को ठेस पहुंची है। स्वाभाविक ही सभी ने इसकी भर्त्सना की। इस मामले की गंभीरता का अंदाजा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश की टिप्पणियों और मंत्री के खिलाफ बिना देर किए प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश से लगाया जा सकता है।

इस मामले में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि मंत्री का बयान न केवल व्यक्तिगत मानहानि है, बल्कि समाज के ताने-बाने पर भी चोट करता है। इसके अलावा, जब एक न्यायाधीश को कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए यह कहना पड़े कि 'हो सकता है कि कल मैं जीवित न रहूंष्ठ चार घंटे में आदेश का पालन हो' तो इससे व्यवस्था की जटिलता और उदासीनता का पता चलता है। विडंबना यह है कि अदालत के इस तरह के रुख के बावजूद आरोप को स्पष्टता के साथ दर्ज करने में लापरवाही बरती गई।

सेना की प्रतिष्ठा को भी धूमिल करने की कोशिश : सवाल उठता है कि जिस बेहद संवेदनशील समय में भारत ने पाकिस्तानी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भी बेहद संयमित और नपा-तुला रुख अपनाया, उससे हासिल गरिमा को कायम रखने के बजाय उसे बिगाड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्ति को कैसे देखा जाना चाहिए। मंत्री ने महिला सैन्य अधिकारी की गरिमा को ही ठेस नहीं पहुंचाई, बल्कि सेना की प्रतिष्ठा को भी धूमिल करने की कोशिश की। मामले के तूल पकड़ने के बाद भले ही मंत्री ने सफाई दी, लेकिन ऐसे बयानों के असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति की अशोभनीय और आपत्तिजनक भाषा का समर्थन देश के प्रति सम्मान रखने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं करेगा। जरूरत इस तरह की बदजुबानी और बेलगाम बयानबाजी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए ठोस और नीतिगत पहल करने की है, ताकि देश के संविधान के मर्म और सौहार्द को कोई नुकसान न पहुंचे।

सत्य की राह

राकेश कुमार संवाददाता

'दिल बड़ा रखो क्योंकि इस आधुनिक दनियां में भी संकीर्ण मानसिकता और ओछी सोच वाले बहुत हैं'।

मनुष्य की बुद्धि कभी लड़ती नहीं, बल्कि यह धर्यपूर्वक प्रतीक्षा करती है, सकारात्मक रूप से बोलती है, आसानी से रहती है, और हर चीज में केवल सकारात्मकता ही देखती है। कहते हैं कि गलत इरादे कितने भी मीठे लगे, एक दिन बीमारी का रूप ले लेंगे। अच्छे इरादे कितने भी कड़वे लगे, यही एक दिन औषधी बन काम आएंगे। ध्यान रहे कि इन्सान उन चीजों से, कम बीमार होता है जो वो खाता है। ज्यादा बीमार वो उन चीजों से होता है, जो उसे अन्दर ही अन्दर खाती रहती हैं। अतः 'कम सोचो पर सही सोचो।'

'खुश मन और खुश चेहरा, यही हमारे जीवन की संपत्ति है'।

हमारे कर्म ही हमारा भाग्य लिखते हैं ऐसा मानकर हर काम करने वाले व्यक्ति अपने जीवन में कभी-भी हारते नहीं हैं, बल्कि निर्विघ्न अपने लक्ष्य को पा लेते हैं।। कहते हैं कि सुखी जीवन यापन हेतु 'देने के लिए दान', लेने के लिए ज्ञान' और 'समझने के लिए अभियान' सर्वश्रेष्ठ चाबी हैं।

ध्यान रहे कि जीवन में एक साथी इतना अच्छा और सच्चा भी होना चाहिए कि जब हम गलत हों तो वह हमारी गलतियां बता सके और जब हम सही हों तब वह हमारे साथ खड़ा रहे।

भारत की दो टूक

सिंधु जल संधि पर भारत का सख्त रवैया पाकिस्तान के लिए साफ संदेश है कि अब सीमा पार आतंकवाद पर गोलमोल बातें नहीं चलेंगी। इस्लामाबाद को अगर पानी चाहिए तो उसे आतंकियों को समर्थन देने की अपनी नीति छोड़नी होगी। पानी और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते।

भारत ने पहली बार सिंधु जल समझौता स्थगित किया है। यहां तक कि 1965, 1971 और करगिल युद्ध के दौरान भी समझौता जारी रहा। इसी वजह से पाकिस्तान को भ्रम हो गया था कि उसकी तरफ से उकसावे की चाहे जितनी भी कार्रवाई हों, पानी तो मिलता ही रहेगा। लेकिन, पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने नई दिल्ली के सब्र का बांध तोड़ दिया। बॉर्डर पर समझौते के बाद पाकिस्तान चाहता है कि सिंधु जल संधि भी बहाल हो जाए, लेकिन विदेश मंत्री जयशंकर ने बिल्कुल सही कहा है कि पहले सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना होगा।

वैसे भी बात इस संधि को निलंबित रखने या बहाल करने भर की नहीं है, वक्त है इसे पूरी तरह रिव्यू करने का। दोनों देशों के बीच 1960 में यह समझौता हुआ था। भारत ने मानवता दिखाते हुए पाकिस्तान के पक्ष में ज्यादा पानी की बात मान ली थी। इस संधि की वजह से सिंधु का 70% पानी पाकिस्तान को मिलता है और उसकी 80% खेती व करीब एक तिहाई हाइड्रो पावर प्रॉजेक्ट इसी पर निर्भर हैं।

1960 से लेकर अब तक हालात काफी बदल चुके हैं। जब समझौता हुआ, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि नई सदी में दुनिया के सामने क्लाइमेट चेंज की चुनौती होगी। इसके अलावा, भारत की इकॉनमी तेजी से बढ़ रही है। उसकी पानी और एनर्जी की अपनी जरूरतें हैं। पुराने समझौतों के आधार पर सिंधु जल संधि जारी रखना न तो संभव होगा और न सही।

हकीकत से भाग रहा पाक: ट्रीटी में कोई भी बदलाव आपसी रजामंदी से ही किया जा सकता है। इसी वजह से भारत ने पहले भी प्रस्ताव रखा था कि संधि पर नए सिरे से बात की जाए, पर पाकिस्तान ने इसे स्वीकार नहीं किया। उल्टे वह जम्मू-कश्मीर की किशनगंगा और रतले जल विद्युत परियोजनाओं पर एतराज करता आया है। वह इस मामले को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में ले जा चुका है।

चलती चिता बनती बसें : निजी परिवहन की अंधी दौड़ और बेबस यात्रियों की चीखें

15 मई 2025 की वह सुबह लखनऊ के लिए एक और मनहूस सुबह बनकर आई, जब बिहार के बेगूसराय से दिल्ली की ओर जा रही एक प्राइवेट स्लीपर बस (संख्याः UP17 AT 6372) लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में किसान पथ पर आग का गोला बन गई। इस भीषण हादसे में पांच निर्दोष यात्रियों की ज़िंदा जलकर मौत हो गई – जिनमें दो बच्चे, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल थे। जिस बस में सपनों की यात्रा शुरू हुई थी, वह कुछ ही क्षणों में चलते-चलते श्मशान बन गई।

एक किलोमीटर तक जलती रही बस, भाग गए चालक और परिचालक : घटना के चश्मदीद बताते हैं कि बस में आग लगने के बावजूद वह करीब एक किलोमीटर तक दौड़ती रही, जिससे आग की लपटें और विकराल हो गईं। चालक और कंडक्टर बस रोकने की जगह मौके से भाग निकले, यात्रियों को उनकी किस्मत पर छोड़कर। जब तक दमकल की गाड़ियाँ पहुंचतीं, तब तक आग अपने चरम पर थी। बस की खिड़कियों के शीशे तोड़कर स्थानीय लोगों और पुलिस ने किसी तरह 80 यात्रियों में से अधिकांश को बचाया, लेकिन पाँच लोगों को बचाया न जा सका।

विफल होती प्रणाली और सुरक्षा का मज़ाक : यह हादसा कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले एक दशक में स्लीपर बसों में आग लगने की सैकड़ों घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें सैकड़ों जानें जा चुकी हैं। सवाल यह है कि इन घटनाओं से हमने क्या सीखा? क्या बसों में फायर अलार्म, अग्निशमन यंत्र और आपातकालीन निकास जैसे मानकों का पालन किया जाता है? कड़वा सच यह है कि नहीं।

निजी बस ऑपरेटर सिर्फ मुनाफे की दौड़ में लगे हैं। वे ओवरलोडिंग करते हैं, वाहनों की नियमित जांच नहीं कराते, और

ड्राइवरों की ट्रेनिंग या अनुभव की भी अनदेखी करते हैं। ऐसे में यह पूछना लाज़िमी है: क्या हमारी ज़िंदगियाँ 700 रुपये के बस टिकट से भी सस्ती हैं?

प्रशासनिक निष्क्रियता: क्या सिर्फ मुआवज़े से भर जाएगा यह खालीपन?

हादसे के बाद प्रशासन हर बार की तरह मुआवज़े की घोषणा करता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी मृतकों के परिजनों को 5 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। लेकिन क्या यह पर्याप्त है? मुआवज़े का अर्थ न्याय नहीं होता।

हमें यह सोचना होगा कि जिनकी लापरवाही से यह हादसा हुआ, वे क्या सिर्फ फरार होकर बच जाएंगे? क्या परिवहन विभाग की भूमिका केवल नंबर प्लेट और रजिस्ट्रेशन तक सीमित रह गई है? जब बसों की फिटनेस रिपोर्टें महज़ 'फॉर्मेलिटी' बन जाएं और सुरक्षा निरीक्षण कागज़ों तक सीमित रह जाए, तो हादसे टलेंगे कैसे?

यात्रा नहीं, यंत्रणा बनती हैं ये रातें : स्लीपर बसों का चलन पिछले कुछ वर्षों में तेज़ी से बढ़ा है, खासकर उन रूट्स पर जहाँ रेल सेवाएँ सीमित हैं लेकिन यही सुविधा, असंगठित और लापरवाह संचालन के कारण मौत का पर्याय बनती जा रही है। बंद खिड़कियों, पतली गलियों और ऊपरी बर्थ में फंसे यात्री किसी भी आपातकाल में सबसे पहले शिकार बनते हैं। और जब आग लगती है, तो यह बस नहीं जलती – इंसानी चीखें, परिवारों की उम्मीदें और ज़िंदगी की संपूर्णता राख में बदल जाती हैं।

आगे क्या?

इस भयावहता को दोहरने से रोकने के लिए सिर्फ संवेदना और सांत्वना नहीं, संकल्प और सख्ती की ज़रूरत है। कुछ जरूरी कदम जो हमें तुरंत उठाए जाने चाहिएः

1. सभी बसों में फायर डिटेक्शन और सप्रेसन सिस्टम अनिवार्य हों।
2. निजी ऑपरेटरों के परमिट की समय-समय पर समीक्षा और निरीक्षण।
3. ड्राइवरों और कंडक्टर्स का मेडिकल और तकनीकी प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए।
4. हर यात्री बस में उड़ए आधारित इमरजेंसी बटन और CCTV अनिवार्य हों।
5. प्रत्येक हादसे में सिर्फ ड्राइवर नहीं, कंपनी प्रबंधन भी उत्तरदायी ठहराया जाए।

व्यवस्था को अब जगना होगा : हर हादसा हमें कुछ सिखाने आता है – बशर्ते हम सीखने को तैयार हों। लखनऊ की इस घटना में पाँच निर्दोष जानें गई हैं, लेकिन यह आंकड़ा नहीं है। ये पाँच परिवार हैं, पाँच भविष्य, पाँच अधूरी कहानियाँ।

जरूरत इस बात की है कि हम इस हादसे को सिर्फ एक खबर बनाकर न छोड़ें। इसे एक नया मोड़ बनाएं – जहाँ से सड़क सुरक्षा, यात्री सम्मान और प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा तय हो।

इस बार सिर्फ मोमबत्तियाँ न जलाएं, व्यवस्था की आंखें खोलें।

दुनिया को समझना होगा, भारत का 'न्यू नॉर्मल'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि? दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे—तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी—बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू—इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े,

प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन—मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र—शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए पीएम मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा कि, 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। और इस 'न्यू नॉर्मल' को अखिल विश्व जितनी जल्दी समझेगा, वो उसके और शेष दुनिया के लिए हितकारी, सुखप्रद और शांतिप्रद होगा।

- डॉ. आशीष वशिष्ठ

सोशल मीडिया पर देह की नुमाइशः सशक्तिकरण या आत्मसम्मान का संकट ?

सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आज़ादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है – देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं ज़ूम इन होती नज़रों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन – अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो।

सच पूछो तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक 'प्रॉडक्ट' बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज़ बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो।

वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मर्यादा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है।

यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें 'बोल्ड' होने का झूठा अर्थ 'बदन दिखाने' से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आज़ादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़?

सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो।

सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज़ देना ही अगर 'बोल्डनेस' है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या? क्या यही है सशक्तिकरण का असली मतलब? क्या हमारा समाज वाकई इतना सतही हो गया है कि हम केवल बदन के आधार पर किसी की कीमत आंकने लगे हैं?

सोचिए, आज जो महिलाएं देह प्रदर्शन को सशक्तिकरण मान रही हैं, क्या वो सच में खुद को सशक्त महसूस करती हैं? क्या उन्हें पता है कि वो केवल एक डिजिटल उत्पाद बनकर रह गई हैं, जिनका मूल्य केवल उनके शरीर के आकार और नृत्य कौशल से मापा जाता है?

यह समस्या केवल महिलाओं की नहीं है, बल्कि उस पूरी डिजिटल संस्कृति की है, जिसने नारी शरीर को एक मनोरंजन सामग्री बना दिया है। वो शरीर जो कभी मातृत्व, प्रेम और करुणा का प्रतीक था, आज महज़ व्यूज़ और फॉलोअर्स की भूख का साधन बन गया है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आखिर सवाल यह है कि क्या देह का प्रदर्शन वाकई सशक्तिकरण है या बस एक भ्रम? क्या आज की नारी अपनी असली पहचान से दूर होती जा रही है, जहां उसकी शक्ति, बुद्धि और आत्मविश्वास की जगह सिर्फ उसके शरीर का आकार और आकर्षण ही अहम रह गया है? यह डिजिटल युग हमें नई संभावनाओं और अभिव्यक्ति की आज़ादी देता है, पर क्या यह स्वतंत्रता वाकई हमें आज़ाद कर रही है या बस एक और जाल में फंसा रही है?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ केवल कपड़ों की लंबाई या शरीर के प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। असली स्वतंत्रता है अपने विचारों, अधिकारों और आत्मसम्मान की रक्षा करना। यह वो स्वतंत्रता है, जो एक नारी को उसकी असल पहचान देती है – एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त इंसान के रूप में।

सोशल मीडिया पर जिस दिखावे की होड़ मची है, वह केवल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की गिरावट का प्रतीक है। यह एक डिजिटल पिंजरा है, जहां औरतें खुद को स्वतंत्र मानते हुए भी एक गहरे बंधन में बंधी हुई हैं।

हमें यह समझना होगा कि असली सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता, शिक्षा और आत्मसम्मान में है, न कि केवल देह प्रदर्शन में। अगर हमें सही मायनों में नारी शक्ति को बढ़ाना है, तो हमें इस भ्रम से बाहर आना होगा और एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां औरतें अपनी पहचान अपने विचारों से बनाएं, न कि केवल अपने शरीर से।

जनखबर

हेल्पलाइन उठाएं अपनी आवाज

सड़क टूटी है या पानी नहीं आता, आस-पास के पार्क बुरे हाल में हैं, डीटीसी रूट पर बसें नहीं आती... कभी बार-बार बिजली गुल हो जाती है, कभी बच्चों का स्कूल में दाखिला नहीं होता तथा सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार के कारण आप को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और आप अपनी परेशानियों की वजह से अपनी किस्मत को कोसते हैं। सहायता के लिए इधर उधर दौड़ते हैं, समाधान नहीं मिलता, आइए हम आपकी समस्याओं की आवाज जनखबर के माध्यम से अधिकारियों, मंत्रियों और संबंधित विभागों की नजर में लाने का प्रयास करेंगे और उनका समाधान भी ढूंढेंगे।

ई-मेल के सबजेक्ट में लिखें : jankhabarhelpline
और अपनी समस्या ई-मेल करें - jankhabarnews@gmail.com

जनखबर
jankhabarnews@gmail.com

ग्रामीण इलाकों की बदलेगी सूरत, दिल्ली सरकार का ऐलान, मास्टर प्लान 2041 को जल्द मिलेगी मंजूरी

दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बदलाव की तैयारी है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने घोषणा की कि मास्टर प्लान 2041 जल्द लागू होगा। इससे 48 गांवों का शहरीकरण होगा और बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी। लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री मुफ्त होगी। दौलतपुर गांव में किसानों का अनशन मंत्री ने खत्म करवाया।

एस. एन. गुप्ता
(वरिष्ठ संवाददाता)

नई दिल्लीः दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों के भविष्य को नया आकार देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राजधानी का मास्टर प्लान 2041 अब अपने अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। इस मास्टर प्लान के लागू होने से दिल्ली के लगभग 48 गांवों को अर्बनाइज किया जाएगा। यह सिर्फ एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक बदलाव है, जिससे गांवों को आधुनिक शहरी सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। अर्बनाइजेशन के बाद

इन गांवों में सड़कों का जाल, बेहतर सीवरेज, पानी की सप्लाई, स्ट्रीट लाइटिंग, स्कूल, अस्पताल और कई मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

मंत्री ने एक और बड़ी राहत की घोषणा करते हुए कहा कि लाल डोरे की पहली रजिस्ट्री फ्री की जाएगी। यह फैसला हजारों ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ देगा, जो सालों से अपनी संपत्तियों के वैध दस्तावेजों का इंतजार कर रहे थे। इससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आएगी और लोगों को कानूनी सुरक्षा भी मिलेगी। शनिवार को प्रवेश साहिब सिंह दौलतपुर गांव पहुंचे, जहां किसानों के अनशन को खत्म करवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी चिंताओं को समझा और स्पष्ट आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। मंत्री के सकारात्मक रुख और भरोसेमंद संवाद के बाद किसानों ने अपना अनशन खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि जमीन पर उन्हें पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी से लागू करना है। मास्टर प्लान 2041 दिल्ली के गांवों की तस्वीर बदल देगा और ग्रामीणों को शहर जैसी सुविधाएं देने का माध्यम बनेगा। मंत्री ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना से जुड़े सभी काम समय और जनहित को ध्यान में रखकर पूरे किए जाएं। इसके साथ-साथ दरियापुर खुर्द गांव में नए चौपाल का उद्घाटन किया।

गीता कॉलोनी में जनसुनवाई का आयोजन, जनता की समस्याओं के समाधान का दिया गया आश्वासन

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

पूर्वी दिल्ली।। स्थानीय विधायक अनिल गोयल की अगुवाई में गीता कॉलोनी में एक जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय निवासी उपस्थित रहे। इस जनसुनवाई में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जिला मजिस्ट्रेट (DM), उप जिला मजिस्ट्रेट (SDM), दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम (MCD), दिल्ली जल बोर्ड और लोक निर्माण विभाग (PWD) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जनसुनवाई के दौरान स्थानीय लोगों ने अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। इनमें जल आपूर्ति, सीवर, सड़कों की हालत, ट्रैफिक जाम और साफ-सफाई जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। अधिकारियों ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए जल्द

से जल्द समाधान का आश्वासन दिया। विधायक अनिल गोयल ने कहा कि यह प्रयास क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का तत्काल हल निकालने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

इस अनूठी पहल की स्थानीय निवासियों ने जमकर सराहना की और इसे एक सकारात्मक और कारगर प्रयास बताया।

मुंह बनाए जा रहा था युवक, पुलिस ने रास्ता रोक पूछ लिया सवाल, जवाब सुन सन्न रह गए सभी, और फिर...

एजेंसी

नई दिल्ली।। मुंह बनाए जा रहे एक शख्स को देख इलाके में गश्त करने निकली पुलिस टीम ने रोक लिया. पुलिस को देख युवक के चेहरे में खौफ नजर आने लगा था, जिसे पकड़ने में पुलिस कर्मियों को देर नहीं लगी. वहीं, पुलिस ने जब इससे सवाल किया तो ऐसा जवाब मिला, जिसे सुनकर सभी पुलिसकर्मी सन्न रह गए. दरअसल यह मामला, पूर्वी दिल्ली के शाहदरा इलाके का है.

पुलिस के अनुसार, 24 फरवरी 2025 की रात हेड कांस्टेबल देवेंद्र और कांस्टेबल रवि गश्त पर थे. रात लगभग 10:30 बजे, जब वे यमुनाखद्दर इलाके में गश्त कर रहे थे, तो उन्हें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया. जैसे ही उन्होंने उसे पास से देखा, आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे थोड़ी दौड़ के बाद पकड़ लिया. गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहम्मद अमन (18) के रूप में हुई, जो दिल्ली के रानी गार्डन का निवासी है.

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा : तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस बरामद किया है. इस मामले में, पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी मोहम्मद अमन को गिरफ्तार कर लिया.

पूछताछ के दौरान आरोपी मोहम्मद अमन ने कबूल किया कि वह रानी गार्डन में मेहताब और आफताब नामक दो भाईयों की हत्या करने के इरादे से निकला था. उसने कबूल किया कि गीता कॉलोनी में 10 फरवरी हुए हत्या के प्रयास की वरदात में भी वह शामिल था.

सीसीटीवी फुटेज से मिले अहम सुराग : पुलिस के अनुसार, 10 फरवरी को गीता कालोनी इलाके में तीन अज्ञात व्यक्तियों ने मेहताब और आफताब पर गोली चलायी थी. इस मामले में एफआईआर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था. तफ्तीश के दौरान, सीसीटीवी फुटेज से भी इस बात की पुष्टि भी हो गई कि मोहम्मद अमन इस साजिश में शामिल था, जिसमें उसे एक अन्य साजिशकर्ता के साथ देखा गया, जिसने साजिश को अंजाम देने में मदद की.

चोरी के ऑटो के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली।। सदर बाजार थाने की पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया गया। पकड़ा गया आरोपी मोहम्मद अफजल है। पुलिस ने इसके पास से एक चोरी का ऑटो बरामद किया है।

उत्तरी जिला डीसीपी राजा बॉंठिया ने बताया कि थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सहदेव सिंह तोमर की देखरेख में गठित टीम को अपराधियों और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के लिए मोतिया खान चौक पिकेट पर तैनात किया गया था। जांच के दौरान, एक

ऑटो बिना पंजीकरण संख्या प्लेट के देखा गया। चालक को पिकेट स्टाफ ने रोका। ज़िपनेट के माध्यम से जांच करने पर पता चला ऑटो चोरी का था। पूछताछ करने पर, उसने खुलासा किया कि वह पिछले 30 वर्षों से मोटर वाहन चोरी कर रहा था। वह केवल टीएसआर/ऑटो को निशाना बनाता था, जिसके लिए वह ऑटो चोरी करने के लिए चाबियों का गुच्छा रखता था। उसके बाद, वह नंबर प्लेट बदल देता था और अपनी आजीविका चलाने के लिए चोरी की गई ऑटो का उपयोग यात्री सेवा के लिए करता था। कुछ महीनों के बाद, उसने चोरी की गई ऑटो को एक सुनसान जगह पर पार्क कर दिया और इसी तरह के तरीके से एक और ऑटो चुरा लिया। जांच में पता चला कि थाना कल्याण पुरी, दिल्ली का एक आदतन अपराधी और सक्रिय हिस्ट्रीशीटर है।

पूर्वी दिल्ली और गाजियाबाद के लोगों के लिए खुशखबरी, खुलने जा रहा हाइवे

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कई ईलाके और गाजियाबाद के लोगों को नया रास्ता मिलने जा रहा है। इससे निजामुद्दी 15 मिनट में अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। महीने के अंत तक इस हाईवे को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। NHAI के अधिकारी के मुताबिक इसका ट्रायल शुरु हो चुका है जो थोड़ी बहुत सुधार की गुंजाइश थी , उन्हें पूरा करके ट्रैफिक सुचारू सूचारू रुप से चालू कर दिया जाएगा। सड़क परिवहन मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली-देहरादून 212 KM ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे दिल्ली के अक्षरधाम से शुरु होकर खेकड़ा, शामली सहारनपुर होकर देहरादून तक बन रहा है। अक्षरधाम से ईपीईक्रॉसिंग तक 31.6 ख्ड के शुरुआती हिस्से में काम पूरा हो चुका है।

इन इलाकों को फायदा : इस एक्सप्रेसवे के खुलने से कई इलाकों को फायदा होने वाला है। इससे शुरु होने के बाद गीता कालोनी, वजीराबाद, सोनिया विहार, यमुना विहार, शास्त्री पार्क, मुस्तफाबाद, करावल नगर के अलावा गाजियाबाद के लोनी और शामली, बागपत की तरफ जाने वालों को राहत मिलेगी। भयंकर ट्रैफिक के कारण इन लोगों को पुश्ता रोड से या फिर सीलमपुर होते हुए जाना पड़ता है।

हाईवे के शुरु होने क बाद से वाहन चालकों का काफी समय बचेगा। क्योंकि हाइवे शुरु होने पर बॉर्डर पहुंचने में सिर्फ 15 मिनट का ही समय लगेगा। I

निजामुद्दीन से दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे से अक्षरधाम तक आएंगे। इसके बाद दिल्ली देरहादून एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे से होते हुए बॉर्डर और इसके आसपास के इलाकों में आसानी से पहुंचा जा सकता है।

मंडोली में जलनशील पदार्थ से भरा ट्रक पलटा, पुलिस की सतर्कता से बची कई जानें

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मंडोली गांव की चुंगी पर एक बड़ी दुर्घटना होते-होते रह गई. दरअसल, डीजल ट्रक मंडोली चुंगी से मंडोली औद्योगिक क्षेत्र की ओर जा रहा था. तभी रास्ते में चुंगी के पास बने एक गड्ढे में इसका पिछला पहिया फंस गया और ट्रक असंतुलित होकर पलट गया. पलटते ही ट्रक में मौजूद ज्वलनशील तेल सड़क पर फैल गया, जिससे सड़क फिसलनभरी हो गई और कई बाइक तथा स्कूटी सवार गिर पड़े.

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मंडोली गांव की चुंगी पर एक बड़ी दुर्घटना होते-होते रह गई. दरअसल, डीजल ट्रक मंडोली चुंगी से मंडोली औद्योगिक क्षेत्र की ओर जा रहा था. तभी रास्ते में चुंगी के पास बने एक गड्ढे में इसका पिछला पहिया फंस गया और ट्रक असंतुलित होकर पलट गया. पलटते ही ट्रक में मौजूद ज्वलनशील तेल सड़क पर फैल गया, जिससे सड़क फिसलनभरी हो गई और कई बाइक तथा स्कूटी सवार गिर पड़े.

दिल्ली विश्वविद्यालय ने खोला एकलव्य भवन, 1500 छात्रों को मिलेगा सुविधा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के नए ताहिरपुर परिसर का मंगलवार को औपचारिक उद्घाटन हुआ। पहले दिन इसमें एसओएल की परीक्षाएं आयोजित की गईं। इसमें 350 छात्र शामिल हुए।

शिक्षकों ने सभी छात्रों को टीका लगाकर स्वागत किया। तीन साल से बन रहे इस भवन का नाम 'एकलव्य भवन' रखा गया है। इस परिसर को पूर्वी दिल्ली के छात्रों के लिए एक बड़े शैक्षणिक केंद्र के रूप में विशेष रूप से विकसित किया गया है।

एकलव्य भवन की क्षमता 1500 छात्रों की : करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से बना यह अत्याधुनिक भवन 1.5 एकड़ क्षेत्र में फैला है और इसमें कुल सात मंजिल हैं। एकलव्य भवन की क्षमता 1500 छात्रों की है और यह सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। छात्रों के लिए एयर कंडीशनर लगाए गए हैं।

परिसर में स्मार्ट क्लासरूम, 500 कंप्यूटर की क्षमता वाली कंप्यूटर लैब, मनोविज्ञान प्रयोगशाला और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं हैं। भवन को छात्रों की शैक्षिक जरूरतों और डिजिटल युग की मांगों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

एसओएल निदेशक प्रो. पायल मागो ने कहा, यह केंद्र न केवल शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा बल्कि छात्रों को करियर और कौशल विकास के नए अवसर भी प्रदान करेगा। पूर्वी दिल्ली के छात्रों को अब विश्वविद्यालय स्तर की सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। ग्रीन कैंपस में छात्रों को ऑडियो-विजुअल लैब, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और कक्षाओं की सुविधा मिलेगी। एसओएल में 1.20 लाख से अधिक छात्र नामांकित हैं।

सीलमपुर में युवक की चाकू घोंपकर हत्या, इलाके में फैली दहशत

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में अपराधिक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. ताजा मामला न्यू सीलमपुर इलाके का है जहां शुक्रवार रात एक पार्क में 16 वर्षीय किशोर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान रेहान उर्फ ??सीलमपुरिया के रूप में हुई है जो मौजपुर इलाके का रहने वाला था. इस दुखद घटना ने न सिर्फ एक परिवार का चिराग बुझा दिया है, बल्कि पूरे इलाके को डर और गम में डुबो दिया है.

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे जब पुलिस कांस्टेबल विपिन इलाके में गश्त कर रहे थे तो उन्होंने सेंट्रल पार्क में बेंच और रास्ते के बीच खून से लथपथ एक लड़के को पड़ा हुआ देखा. उन्होंने तुरंत सीलमपुर थाने को घटना की जानकारी दी. पुलिस टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल युवक को जग प्रवेश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों को मौके पर बुलाया गया और जांच कराई गई.

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे जब पुलिस कांस्टेबल विपिन इलाके में गश्त कर रहे थे तो उन्होंने सेंट्रल पार्क में बेंच और रास्ते के बीच खून से लथपथ एक लड़के को पड़ा हुआ देखा. उन्होंने तुरंत सीलमपुर थाने को घटना की जानकारी दी. पुलिस टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल युवक को जग प्रवेश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों को मौके पर बुलाया गया और जांच कराई गई.

बदमाश गहने और चार लाख की नकदी लेकर फरार

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

नई दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित घर से बदमाश लाखों रुपये के गहने और चार लाख रुपये लेकर फरार हो गए। गुरु अंगद नगर इलाके में रहने वाले अरविंद शर्मा ने बताया कि वह सात मई को दोपहर करीब 11:45 बजे घर का दरवाजा लॉक करके दिल्ली यूनिवर्सिटी गया था।

मां बीमार होने के चलते गली संख्या छह में रह रहे भाई प्रवीण के घर चली गई थी। अरविंद ने बताया कि शाम करीब 7:30 बजे वापस आकर देखा तो घर का मुख्य दरवाजा खुला था। सारा समान घर में बिखरा पड़ा था। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी।

घर से सोने-चांदी के गहने और चार लाख रुपये गायब मिले हैं। क्राइम टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट और अन्य जरूरी सुराग जुटाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली दंगों के दौरान हत्या के मामले में 12 आरोपी बरी, एक दोषी करार

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। साल 2020 में पूर्वी दिल्ली का एक हिस्सा दंगों की आग में झुलस रहा था। उस समय यहां के गोकलपुरी इलाके में 26 फरवरी 2020 को दंगों में आमिर अली नाम के एक युवक की हत्या हुई। उसी आमिर अली की हत्या के मामले आज कड़कड़डूमा कोर्ट ने 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। एक आरोपी लोकेश को दंगे भड़काने का दोषी पाया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अदालत ने दोषी लोकेश की सजा पर 22 मई को सुनवाई करने का निर्णय लिया है। बता दें कि दंगे के दौरान आमिर अली की हत्या के बाद उसके शव को भागीरथी विहार नाले के पास पुलिया के नीचे फेंका गया था। कोर्ट की इस कार्रवाई को दिल्ली दंगा मामले में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्योंकि इससे दंगे के दौरान हुई हिंसा और हत्या के मामले में न्यायिक प्रक्रिया की प्रगति का पता चलता है।

बीच-बचाव करने पर नर्सिंग छात्र को चाकू मारा

रितू, संवाददाता व कैमरामेन

नई दिल्ली।। उत्तर पूर्वी दिल्ली के नंदनगरी इलाके में नर्सिंग छात्र को दो लड़कों के झगड़े में बीचबचाव करना भारी पड़ा। विवाद कर रहे लड़कों में से एक के भाई ने छात्र की गर्दन पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, 18 वर्षीय जुनैद सुंदर नगरी में रहता है। वह ताहिरपुर स्थित राजीव गांधी अस्पताल से नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा है। 10 मई की रात करीब 9:30 बजे वह टहलने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान उसके पड़ोस में रहने वाले दो लड़के शाहबाज और फैज आपस में झगड़ा करते दिखे।

जुनैद ने उन्हें समझा ही रहा था कि तभी फैज का भाई सलमान वहां आ गया और पीड़ित के गले पर चाकू से हमला कर फरार हो गया।

शाहदरा में झुकी चार मंजिला इमारत, खाली करने का नोटिस जारी

संवाददाता
राकेश कुमार की रिपोर्ट

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा में बिहारी कॉलोनी में एक चार मंजिला इमारत गुरुवार को झुक गई, जिसके बाद अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर इसे और आसपास की अन्य इमारतों को खाली करने का नोटिस जारी किया। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि स्थानीय एसएचओ की मदद से इमारत को खाली करा लिया गया है और इमारत को सहारा देने के लिए जैक लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि सिविक एजेंसी इसे खतरनाक घोषित कर सकती है, जिसके बाद इसे गिरा दिया जाएगा, उन्होंने कहा कि शेष रिपोर्ट का इंतजार है।

एमसीडी के शाहदरा साउथ जोन के चेयरमैन संदीप कपूर ने कहा, 'हम पांच से छह मंजिला इमारतों वाले इलाकों में अभियान चला रहे हैं, जिनमें से कई तिरछी, पुरानी या जीर्ण-शीर्ण हैं और अगर ये गिरती हैं तो जान-माल को खतरा हो सकता है। इन इमारतों का निरीक्षण किया जा रहा है, नोटिस जारी किए जा रहे हैं और उन्हें सील किया जा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए, बिहारी कॉलोनी में कई इमारतें तिरछी थीं और उनके गिरने का खतरा था, इसलिए उन्हें खाली करा दिया गया है।' उन्होंने कहा कि शुक्रवार को एक सर्वेक्षण दल फिर से साइट का दौरा करेगा और जो भी कार्रवाई करने की आवश्यकता होगी - चाहे वह सीलिंग हो या ध्वस्तीकरण - इंजीनियरों और अधिकारियों द्वारा किया जाएगा, उन्होंने कहा कि आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कपूर ने आगे कहा कि अगर किसी इमारत को खतरनाक के रूप में पहचाना जाता है, तो आसपास की इमारतों का भी आकलन किया जाता है। 'अगर कोई गिरती है, तो इससे आस-पास की संरचनाओं को काफी नुकसान हो सकता है। एहतियात के तौर पर, अंतिम निर्णय होने तक ऐसी सभी इमारतों को खाली करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।' घटनास्थल से प्राप्त दृश्यों में लकड़ी के खंभों का इस्तेमाल अस्थायी रूप से झुकी हुई संरचना को सहारा देने के लिए किया जा रहा था।

मायावती का 'भतीजावाद', बिहार चुनाव से पहले बड़ा फैसला, क्या बदलेगी पार्टी की तस्वीर?

एजेंसी

लखनऊ।। बहुजन समाज पार्टी (BSP) में एक बार फिर संगठनात्मक बदलाव की गूंज सुनाई दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है।

रविवार को दिल्ली में आयोजित बसपा की वरिष्ठ नेताओं की बैठक में मायावती ने इस अहम घोषणा के साथ आकाश को पार्टी के भविष्य के अभियान और प्रचार-प्रसार की कमान सौंप दी। आकाश आनंद के पार्टी में बड़े पद मिलने को लेकर उम्मीद पहले से जताई जा रही थी। लेकिन, बिहार चुनाव की सुगबुगाहट के बीच इस बड़ी जिम्मेदारी को अलग नजरिए से देखा जा रहा है। इससे निश्चित तौर पर बसपा प्रमुख पार्टी की स्थिति में बदलाव की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

मायावती का नया समीकरण : बैठक में बसपा के तीन राष्ट्रीय समन्वयकों, राज्यसभा सांसद रामजी गौतम, रणधीर बेनीवाल और राजाराम को निर्देश दिया गया कि वे अब आकाश आनंद को रिपोर्ट करेंगे। इन समन्वयकों में रामजी गौतम बिहार के प्रभारी भी हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस स्थिति में माना जा रहा है कि आने वाले समय में आकाश आनंद बिहार में सक्रिय हो सकते हैं। अभी वहां कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी सक्रियता बढ़ाए हुए हैं। पिछले दिनों वे दलित वोट

बैंक को साधने की कोशिश करते दिखे।

बसपा प्रमुख मायावती ने अब आकाश आनंद को सामने लाकर दलित युवा वर्ग के बीच एक नए चेहरे को उतारने की कोशिश में हैं। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीतिक चर्चा भी हुई, जिसमें आकाश आनंद की भूमिका को काफी अहम माना जा रहा है।

फैसला को माना जा रहा खास : मायावती का यह फैसला इसलिए भी खास है, क्योंकि मार्च 2025 में बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। सार्वजनिक रूप से उनके व्यवहार को अनुशासनहीन बताया था। उस समय मायावती ने स्पष्ट रूप से कहा था कि अब मेरे जीते-जी पार्टी का कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। हालांकि, 13 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती से एक दिन पहले आकाश आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर माफी मांगते हुए सार्वजनिक बयान जारी किया था।

आकाश आनंद ने लिखा था कि मैं यह प्रण लेता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों, विशेषकर अपने ससुराल वालों को पार्टी में किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप नहीं करने दूंगा। इस माफीनामे के महज सात घंटे बाद मायावती ने उनकी माफी स्वीकार कर ली थी और पार्टी में फिर शामिल कर लिया था।

भविष्य की रणनीति पर नजर : आकाश आनंद की वापसी और उन्हें फिर से अहम जिम्मेदारी सौंपने से यह स्पष्ट हो गया है कि मायावती अपने भतीजे को पार्टी में एक निर्णायक भूमिका में आगे बढ़ाना चाहती हैं। यह कदम पार्टी के अंदरूनी समीकरणों और नेतृत्व हस्तांतरण की ओर इशारा करता है। भले ही सार्वजनिक रूप से मायावती इस पर कुछ भी न कहें। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला बसपा को नई दिशा देने और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने की कोशिश का हिस्सा है, जिससे पार्टी की चुनावी रणनीति को और धार दी जा सके।

संदिग्ध हालात में छत से गिरकर महिला की मौत, रिपोर्ट दर्ज

एजेंसी

गाजियाबाद। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की तिलकराम कॉलोनी में बृहस्पतिवार रात संदिग्ध हालात में छत से गिर कर एक महिला की मौत हो गई। मृतका के भाई ने पांच लाख रूपये की मांग पूरी नहीं होने पर पति और ससुराल वालों पर छत से बहन को धक्का देने का आरोप लगाते हुए हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात करीब पौने नौ बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि एक महिला की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पड़ोसियों व अन्य व्यक्तियों से जानकारी की गई तो पता चला कि सोनी गुप्ता पत्नी पंकज गुप्ता नीचे गिर गई।

मायके वालों ने लगाए गंभीर आरोप

पति व ससुराल पक्ष के लोगों ने दिल्ली के जीटीबी अस्पताल दिल्ली ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर महिला के मायके वाले भी मौके पर पहुंचे। मृतका के भाई अनिल गुप्ता ने दर्ज एफआईआर में बताया कि बहन की शादी 26 वर्ष पूर्व जिला रामपुर गांव धमोर के पंकज गुप्ता से हुई थी।

ससुराली कर रहे थे परेशान, महिला नदी में कूदी, बचाने में ट्रैफिक कॉन्स्टेबल की डूबने से मौत

एजेंसी

गाजियाबाद के वैशाली सेक्टर-2/5 में स्थित हिंडन नगर पुलिया पर दिल दहला देने वाली घटना घटी, जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया. यहां घरेलू विवाद और सुसराल पक्ष के आरोपों से परेशान एक महिला ने हिंडन नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या की कोशिश की. महिला को डूबता देख ट्रैफिक पुलिसकर्मी अंकित तोमर और धर्मेंद्र पवार ने तुरंत छलांग लगा दी. हालांकि महिला की जान बचा ली गई, लेकिन कॉन्स्टेबल अंकित तोमर की जान नहीं बच पाई.

जानकारी के अनुसार, महिला आरती कुछ समय से मानसिक तनाव से गुजर रही थी. उसने बताया कि वो वैशाली इलाके में रहती है और उसने प्रेम विवाह किया था. अब उसके सुसराल वाले उस पर घर में चोरी के झूठे आरोप लगाकर उसे घर से भगा रहे थे. लव मैरिज की वजह से वह अपने मायके भी नहीं जा सकती. इसी दबाव में आकर उसने हिंडन नहर में कूदकर जान देने की कोशिश की, लेकिन उसे नहर में छलांग लगाते देख मौके पर तैनात दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने अपनी जान की परवाह न कर बचा लिया.

नहर में महिला की जान बचाने के लिए कूदे ट्रैफिक पुलिस में तैनात टीएसआई धर्मेंद्र पवार ने महिला को तो सुरक्षित निकाल लिया, लेकिन इस दौरान उनके साथ कूदे कॉन्स्टेबल अंकित तोमर गहरे पानी में चले गए और डूब गए. घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई. लोगों की भीड़ जमा हो गई. एनडीआरएफ और गोताखोरों की मदद से अंकित के शव को करीब 1 घंटे बाद नहर से बरामद कर लिया गया. उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर है. अंकित तोमर की बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा को लेकर हर कोई भावुक है. मौके पर एसीपी ट्रैफिक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया. उन्होंने कहा कि अंकित तोमर ने जिस साहस और समर्पण के साथ अपने कर्तव्य का पालन किया, वह हमेशा याद रखा जाएगा.

सरकारी नौकरी पाने के चक्कर में पत्नी ने प्रेमी से कराई थी पति की हत्या

एजेंसी

गाजियाबादः कविनगर थाना पुलिस ने एमसीडी कर्मचारी संजय की हत्या की गुत्थी को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार संजय की हत्या उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी से करवाई थी। प्रेमी ने शराब पीने के बहाने संजय को बुलाया और नशा होने पर सिर में बोतल से कई वार करके हत्या कर दी। पुलिस ने एमसीडी कर्मचारी की पत्नी प्रियंका और उसके प्रेमी रिंकू को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि 4 मई की शाम को बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में लट्ठमार कॉलोनी में रहने वाले एमसीडी कर्मचारी संजय कुमार (28) का शव सड़क किनारे मिला था। जांच में पता चला कि संजय की पत्नी प्रियंका के रिंकू से अवैध संबंध हैं। रिंकू क्रॉसिंग रिपब्लिक में एक कारोबारी की कार चलाता है, जहां प्रियंका भी हाउसकीपिंग का काम करती है। प्रियंका से दोस्ती होने के चलते

रिंकू भी लट्ठमार कॉलोनी में ही किराये पर कमरा लेकर रहने लगा था। प्रियंका ने रिंकू को बताया कि ससुर की मृत्यु के बाद मृतक आश्रित कोटे से उसके पति संजय को एमसीडी में नौकरी मिली है। संजय की मौत हो जाए तो नौकरी उसे मिल जाएगी। रिंकू ने संजय कुमार को तीन मई की शाम को फोन कर बुलाया और दोनों ने बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में शराब पी।

जब संजय नशे में हो गए तब रिंकू ने मौका मिलते ही उनके सिर में शराब की कांच की बोतल से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। इसके बाद अपने कमरे में जाकर सो गया। एसीपी ने बताया कि संजय एक महीने पहले ही एमसीडी में स्थाई हुआ था। पुलिस को हत्यारोपियों के पास से उसका मोबाइल भी मिला है। साथ ही रिंकू और प्रियंका के बातचीत में प्रयुक्त सिम भी उन्हें मिल हैं।

व्यापारियों ने तुर्की से आने वाले सेब का आयात किया बंद, बोले– भारत को नहीं पड़ेगा कोई फर्क

एजेंसी

गाजियाबाद।। जिले के सेब व्यापारियों ने तुर्की से सेब का आयात बंद करने का फैसला लिया है. बता दें पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत द्वारा की गई पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद, तुर्की द्वारा पाकिस्तान का साथ देने पर, बॉयकॉट तुर्की का नारा जोर पकड़ रहा है. देश भर में लोगों ने तुर्की का बॉयकॉट करने का मन बना लिया है. अब इसी क्रम में गाजियाबाद की साहिबाबाद सब्जी मंडी में सेब व्यापारियों ने तुर्की से आयात होने वाले सेबों का पूरी तरह से बहिष्कार करने का निर्णय लिया है.

व्यापारियों का कहना है कि तुर्की ने जिस तरह से आतंकवाद का समर्थन किया है उस वजह से हम तुर्की से आयात होने वाले सभी सामानों का बहिष्कार करेंगे.

व्यापारियों के मुताबिक तुर्की से आयात होने वाले सेब का भारत में कारोबार तकरीबन 1000-1200 करोड़ रूपये के बीच है. व्यापारियों के इस निर्णय से तुर्की सेब बाजारों से गायब हो गया है. वहीं, व्यापारियों के इस निर्णय का अब आम लोग भी समर्थन कर रहे हैं आपको बता दें, तुर्की द्वारा पाकिस्तान के समर्थन में आने के बाद से देश में काफी रोष है. व्यापारियों का साफ कहना है कि भारत ने समय समय पर तुर्की की काफी मदद की है , तुर्की में आए भूकंप के बाद भी भारत से ऊंड़ ने तुर्की में रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ ही जरूरी सामान भी भेजा था, उसके बावजूद तुर्की ने भारत की पीठ में खंजर घोपने का काम किया है. जो देश आतंकवाद का समर्थन करेगा हम लोग उसके खिलाफ हैं.

हेड कांस्टेबल प्रीति की सड़क हादसे में मौत, चार गंभीर रूप से घायल

एजेंसी

मेरठ।। करनाल हाईवे पर शनिवार देर शाम पीछे से आ रहे एक वाहन ने कार में टक्कर मार दी, जिससे डिवाइडर की रेलिंग कार में घुस गई। हादसे में कार में सवार महिला हेड कांस्टेबल प्रीति की मौके पर मौत हो गई। उनका पति, दो बच्चे और कार का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया।

मेरठ की प्रवेश विहार कॉलोनी की रहने वाली हेड कांस्टेबल प्रीति (28) शामली के एसपी ऑफिस में तैनात थीं। शनिवार शाम वह तीन दिन की छुटटी लेकर परिवार के साथ कार में बैठ कर मेरठ आ रही थीं। इटावा गांव के पास पीछे से किसी वाहन ने कार में टक्कर मार दी। टक?कर लगते ही कार डिवाडर से जा टकराई और डिवाइडर की रेलिंग कार के अंदर घुस कर पार हो गई।

अस्पताल में भर्ती कराए गए घायल : रेलिंग की चपेट में आकर प्रीति की मौके पर ही मौत हो गई। उनके पति भूपेन्द्र सिंह, तीन साल का बेटा प्रियांक, नौ माह की बेटी प्रीतिका और कार चला रहा ड्राइवर बालेशवर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

एजेंसी

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित आवास विकास कार्यालय के सामने दिल्ली सहारनपुर रोड पर एक बस ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जिला बागपत गांव घिटोरा निवासी 34 वर्षीय गौरव ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित निजी फैक्टरी में नौकरी करते थे। उनके भाई योगेश ने बताया कि प्रतिदिन की तरह गौरव बुधवार सुबह घर से नौकरी के लिए साइकिल पर जा रहे थे। जब वह आवास विकास कार्यालय के सामने दिल्ली सहारनपुर रोड पर पहुंचे तो पीछे से तेज गति में आ रही बड़ौत डिपो की बस ने साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि घटना के बाद चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि बस को कब्जे में लिया गया है। मृतक के परिजन की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर फरार चालक की तलाश की जा रही। है।

जालौन में पति की गला दबाकर हत्या और छत से नीचे फेंकी लाश, पत्नी ने कहा– प्रेमी से मिलने नहीं देता था

एजेंसी

जालौनः उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में एक बेहद सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। यहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी से मिलने में बाधक बने पति की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पत्नी ने अपना जुर्म कुबूल करते हुए बताया कि उसका पति शराबी था और वह उसे प्रताड़ित करता था। फिलहाल पुलिस ने कत्ल को अंजाम देने वाली पत्नी को हिरासत में ले लिया है।

पूरा मामला एटा कोतवाली क्षेत्र के गिरथान गांव 13 मई की रात गिरथान गांव में मोंटी उर्फ अजय पाल (30) का शव उनके घर के पीछे बाड़े में मिला। शव के सिर, चेहरे और गले पर गहरी चोटों के निशान थे। मृतक के पिता मंगल सिंह ने 15 मई को

कोतवाली में अपनी बहू शिवानी (21) पर हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा : मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि मोंटी की मौत गला दबाने से हुई थी। इसके बाद पुलिस ने शिवानी से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस जांच में शिवानी ने बताया कि उसका पति शराब का आदी था और अक्सर उसे प्रताड़ित करता था। इसी दौरान उसकी नजदीकियां गांव के ही एक युवक सचिन से हो गईं और दोनों के बीच अवैध संबंध बन गए। शिवानी ने स्वीकार किया कि उसका पति उसे सचिन से मिलने से रोकता था। 13 मई की रात जब मोंटी शराब पीकर घर लौटा, तो दोनों के बीच तीखी बहस हुई। गुस्से में शिवानी ने पति का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

हत्या को हादसा बताने की कोशिश : जुर्म कबूल करते हुए शिवानी ने बताया कि उसने हत्या को एक्सीडेंट बताने के लिए पति के शव को छत से नीचे फेंक दिया, ताकि लगे कि गिरने से उसकी मौत हुई है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने उसकी चाल को बेनकाब कर दिया। पुलिस की पूछताछ में शिवानी के इस कांड से पर्दा उठ गया।

एट कोतवाली पुलिस ने शिवानी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या इस मामले में सचिन की कोई भूमिका थी। इस घटना से पूरा गांव स्तब्ध है और पड़ोसियों का कहना है कि मोंटी और शिवानी के बीच अक्सर झगड़े होते थे, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह हत्या तक पहुंच जाएगा।

सर्राफ की दुकान से दिनदहाड़े गहने लूटे

एजेंसी

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थानाक्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े नकाबपोश तीन बदमाशों ने सर्राफ की दुकान में घुसकर चार लाख रुपये के गहने लूट लिए। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है। मंगल बाजार कॉलोनी में रहने वाले हितेश की घर से चंद कदमों की दूरी पर आभूषणों की दुकान है। उनके पिता उमाशंकर वर्मा ने बताया कि सोमवार को वह दुकान पर कारीगर विजय के साथ बैठे थे। हितेश काम से बाहर गया था। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बाइक सवार तीन बदमाश दुकान के पास पहुंचे। तीनों ने कपड़े से चेहरा ढक रखा था। गली में बातचीत के बाद एक बदमाश दुकान में अंदर आया और सोने का भाव पूछते हुए पिस्तौल तान दी। बदमाश ने पीड़ित के हाथ से सोने की अंगूठी उतार ली। इसके बाद बाकी दोनों बदमाशों ने भी पिस्तौल तानकर उन्हें और कारीगर को चुप रहने की धमकी दी। बदमाशों ने दुकान की तिजोरी में रखे चांदी के आभूषण के छह डिब्बे, काउंटर में रखे गणेश लक्ष्मी और गिलास आदि सामान लूट लिया। पहले दो बदमाश दुकान से बाहर गए और एक बदमाश पिस्तौल तानकर खड़ा रहा। बदमाश गाली देते हुए दुकान से निकलकर पल्सर बाइक पर बैठकर फरार हो गए। लूट की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

122 'आंखें'...पेट्रोल पंप पर बचना नामुमकिन, गाजियाबाद में किन गाड़ियों को नहीं मिलेगा तेल, हुआ बड़ा बदलाव

एजेंसी

गाजियाबाद।। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में अब पेट्रोल पंप लगी तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरा से बचना नामुमकिन है. यहां पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल और डीजल नहीं मिलेगा. 122 फिलिंग स्टेशन पर हाईटेक कैमरे लगेंगे. 10 और 15 साल पुराने वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा.

आरटीओ विभाग ने जिला पूर्ति विभाग से सभी पेट्रोल पंप का ब्यौरा मांगा है. जिले के सभी पेट्रोल पंप पर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) के लिए निर्देशित किया गया.

गाजियाबाद में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम कसने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है. दिल्ली एनसीआर में 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन और 10 साल पुराने डीजल वाहन प्रतिबंधित हैं.

अब 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीजल वाहन पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं भरवा पाएंगे. आरटीओ विभाग ने 122 पेट्रोल पंपों पर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) कैमरे लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं.

इस मामले में एआरटीओ प्रशासन राहुल श्रीवास्तव ने बताया अभी हाल में गाजियाबाद और नोएडा में ANPR कैमरे लगवाने की बात चल रही है.

इससे यह लाभ होगा : ये कैमरे पुराने वाहनों की नंबर प्लेट

स्कैन करेंगे और जैसे ही कोई समयसीमा पार कर चुका वाहन सामने आएगा. पंप संचालक और परिवहन विभाग को अलर्ट मिल जाएगा. वाहन मालिक और ट्रैफिक विभाग को ऑटोमैटिक चालान भी भेजा जाएगा. उनका चालान भी होगा डीजल और पेट्रोल भी नहीं मिलेगा. गौर करने वाली बात ये है कि गाजियाबाद में अभी भी करीब 03 लाख 12 हजार पुराने वाहन अवैध रूप से सड़कों पर दौड़ रहे हैं. निश्चित ही प्रदूषण को बढ़ावा दे रहे हैं सभी पेट्रोल पंप को सूचित कर दिया है.

कैमरे करेंगे स्कैन : गाजियाबाद जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि संभागीय परिवहन विभाग ने सभी पेट्रोल पंप का ब्यौरा मांगा था. उन्हें ब्यौरा उपलब्ध करा दिया गया है. जिले में 122 पेट्रोल पंप है जिसमें ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) कैमरे लगवाने है.

सभी पेट्रोल पंप को निर्देशित किया जाएगा. ऐसे वाहन को ईंधन न दें, कैमरे स्केन करके अलर्ट मेसेज भेज देंगे फिर भी यह ध्यान दिया जाएगा किसी भी प्रकार की पेट्रोल पंप संचालक लापरवाही न बरते.

जल्दी शुरू होगा काम : पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन कुमार शर्मा ने बताया कि जिला पूर्ति अधिकारी ने पेट्रोल पंप पर ANPR कैमरे लगवाने के निर्देश हैं. जल्द ही इस प्रक्रिया पर कार्य किया जाएगा, जिससे ऐसे वाहनों का चलन बंद हो कैमरे की जो लागत है उसके लिए कोटेशन मंगाई गई है.

सरकार ने ऐसे वाहनों को प्रतिबंधित किया हुआ है प्रदूषण को लेकर इसका चलन बंद होना चाहिए. अब देखना होगा कि ये नई तकनीक और सख्ती, गाजियाबाद की हवा को कितना साफ कर पाती है.

'10 दिन में सेना में शामिल हों, वरना ...' सीरिया के रक्षा मंत्री का अल्टीमेटम, हथियारबंद समूहों को दी धमकी

एजेंसी

सीरिया के नए रक्षा मंत्री मुरहाफ अबू कासरा ने उन हथियारबंद समूहों को कड़ा अल्टीमेटम दिया है, जो अभी तक देश की आधिकारिक सुरक्षा बलों में शामिल नहीं हुए हैं. उन्होंने कहा कि इन समूहों को 10 दिन के भीतर रक्षा मंत्रालय के तहत एकजुट होना होगा, नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. ये कदम अंतरिम सरकार की उस कोशिश का हिस्सा है, जिसके तहत वह बशर अल-असद के शासन के बाद अस्थिर देश में केंद्रीय सत्ता को मजबूत करने के प्रयास चल रहे हैं.

शनिवार को देर रात जारी एक बयान में रक्षा मंत्री अबू कासरा ने कहा कि कई प्रमुख सैन्य इकाइयों को अब एक एकीकृत संस्थागत ढांचे में शामिल कर लिया गया है. इसे उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया है. उन्होंने बाकी छोटे सशस्त्र समूहों से अपील की है कि वे इस घोषणा की

तारीख से 10 दिनों के भीतर मंत्रालय में शामिल हों, ताकि एकीकरण और संगठन की प्रक्रिया को पूरा किया जा सके. हालांकि ये बयान किन समूहों के लिए है, ये स्पष्ट नहीं किया गया है.

किसके लिए है ये आदेश : ये तो स्पष्ट नहीं किया गया है कि ये घोषणा किसके लिए है लेकिन ये आदेश अमेरिका समर्थित सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (SDF) पर लागू नहीं होता. SDF उत्तर-पूर्व में कुर्द नेतृत्व वाली एक प्रमुख मिलिशिया है, जिसने अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा के साथ एक समझौता कर लिया है कि वो धीरे-धीरे सरकारी तंत्र में शामिल होगी.

सीरिया में अस्थिरता की चुनौती : पिछले छह महीने पहले बशर अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद से देश में हथियारों का प्रसार और छोटे-छोटे हथियारबंद समूहों की मौजूदगी अंतरिम राष्ट्रपति शारा के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है. कुछ समूह जिन्होंने असद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, वे नई सरकार पर भरोसा नहीं करते. असद समर्थक कुछ समूह अभी भी अपनी स्वतंत्र कमान बनाए हुए हैं. दिसंबर में कई इस्लामी विद्रोही समूह, जैसे हयात तहरीर अल-शाम (HTS) के तहत काम करने वाली इकाइयों ने खुद रक्षा मंत्रालय में शामिल होने पर सहमति जताई थी.

ये समूह सुन्नी अरब विद्रोहियों के साथ मिलकर असद के खिलाफ लड़े थे. यही वजह है कि इन्हें केंद्रीय कमान में शामिल किया जा रहा है.

सिक्योरिटी है बड़ा मुद्दा : सीरिया में सत्ता परिवर्तन के बावजूद सुरक्षा की स्थिति गंभीर बनी हुई है. मार्च में तटीय इलाकों में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी, जब सुन्नी उग्रवादियों ने असद समर्थकों के हमलों का बदला लेते हुए सैकड़ों अलावी नागरिकों को मार डाला. 17 मई को सीरियाई अधिकारियों ने अलेप्पो में इस्लामिक स्टेट (ISIS) के ठिकानों पर छापेमारी की. इससे एक बार फिर साबित हो गया कि जिहादी नेटवर्क अभी भी खतरा बने हुए हैं.

मौजूदा वक्त में रक्षा मंत्री का यह अल्टीमेटम सीरिया में स्थिरता और एकजुटता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है. विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे हथियारबंद समूहों को एकजुट करना और उनकी निष्ठा सुनिश्चित करना आसान नहीं होगा. इसके साथ ही, सांप्रदायिक तनाव और जिहादी खतरों से निपटना भी अंतरिम सरकार के लिए बड़ी चुनौती है.

युवक को बेहोश कर बाइक और मोबाइल पर हाथ साफ करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली।। बुराड़ी इलाके में युवक को बेहोश कर उसकी बाइक और मोबाइल पर हाथ साफ करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में अर्जुन और सुजीत है। पुलिस ने इनके पास से एक बाइक बरामद की है।

युवक को बेहोश कर बाइक और मोबाइल पर हाथ साफ करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

उत्तरी जिला डीसीपी राजा बॉठिया ने बताया कि एसआई नवीन सिंधु (प्रभारी चौकी बुराड़ी सरकारी अस्पताल) की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद घटनास्थल के आसपास लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, स्थानीय पूछताछ में पता चला कि इंदिरा कॉलोनी, रेलवे ट्रैक के पास, शालीमार बाग, दिल्ली में रहते हैं। टीम के सदस्यों ने तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान टीम ने देखा कि दो लडक़े बाइक पर आ रहे थे। टीम के सदस्यों ने उन्हें रोकने का इशारा किया लेकिन वह भागने

लगे। टीम के सदस्यों ने बाइक सहित अर्जुन और सुजीत को काबू कर लिया। पूछताछ के दौरान, खुलासा किया कि 8 मई की शाम अपने साथियों विशाल और जतिन के साथ पुस्ता रोड, बुराड़ी में अपराध करने के लिए घूम रहे थे। वे पीडित़ को बेहोश करने के लिए एक स्प्रे बोतल भी ले रहे थे। इसी बीच, उन्होंने सडक़ किनारे बैठे एक व्यक्ति को देखा। वह उससे बात करने लगे और उनमें से एक ने पीडित़ के चेहरे पर स्प्रे लगा दिया। जब वह बेहोश हो गया, तो उन्होंने उसके 2 मोबाइल फोन, 1 बाइक और 1 पर्स छीन लिए। उनके साथी विशाल और जतिन ने चोरी किए गए मोबाइल फोन और पर्स छीन लिए। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वे दोनों दोस्त हैं और एक ही इलाके में रहते हैं और नशे के आदी हो गए और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, उन्होंने अपराध करना शुरू कर दिया। अर्जुन कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। बाकी आरोपियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे है।

डेलीगेशन, PM मोदी का एयरबेस दौरा और चैनल बैन... हमले के बाद भारत की नकल पर उतारू शहबाज शरीफ

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान की वैश्विक स्तर पर बेइज्जती हो चुकी है और उसका दोयम चेहरा पूरी दुनिया ने देख लिया है. अब भारत सरकार ने सांसदों की अगुवाई में सात डेलीगेशन बनाए हैं, जो विदेशों में जाकर पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे. इनमें सांसदों, मंत्रियों के अलावा पूर्व राजदूतों को भी शामिल किया गया है. पाकिस्तान, भारत की नकल करने से बाज नहीं आ रहा है. अब पाकिस्तान ने भी पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के नेतृत्व में एक हाई लेवल कमेटी बनाई है, जो विदेशों में जाकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान का पक्ष रखेगी.

बिलावल भुट्टो के नेतृत्व में पाकिस्तान ने एक कमेटी का गठन किया है, जिसमें पूर्व मंत्री खुर्रम दस्तगीर खान, हिना रब्बानी खार और पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी शामिल हैं. बिलावल ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मुझे वैश्विक मंच पर पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का अनुरोध किया. मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं.'

पीएम मोदी की तरह शहबाज भी जवानों से मिले : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम मोदी ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर इंडियन एयरफोर्स के जवानों का हौसला बढ़ाया. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान की ओर से बोले गए झूठ को भी बेनकाब कर दिया. उधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीएम मोदी की नकल करते हुए नजर आए और अपनी सैन्य यात्राएं शुरू कर दीं. इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया. पाकिस्तान ने दावा किया कि पीएम शरीफ सियालकोट स्थित पसरूर छावनी गए थे, जहां उन्होंने पाकिस्तानी सेना से मुलाकात की.

भारत की तरह बुलाईं बैठकें : भारत की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (ण्एए) की बैठकों की नकल करते हुए पाकिस्तान में भी नेशनल सिक्योरिटी कमेटी (ऩ्एए) की बैठकें बुलाई गईं. यहां तक कि पीएम मोदी के सशस्त्र बलों को ऑपरेशन के तरीके, समय और टारगेट को तय करने की पूरी छूट देने के बयान को भी शहबाज शरीफ नकल करते नजर आए.

पाकिस्तान में भी 16 भारतीय चैनल बैन : पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को सस्पेंड कर दिया. इसके बाद झूठ और प्रोपेगेंडा फैलाने से रोकने के लिए भारत ने डॉन न्यूज, समा टीवी, ARY न्यूज और जियो न्यूज जैसे प्रमुख पाकिस्तानी मीडिया प्लेटफॉर्म समेत 16 यूट्यूब चैनल को बैन करने का फैसला किया. इसकी नकल करते हुए पाकिस्तान ने 32 इंडियन वेबसाइट्स को बैन कर दिया.

ड्रग्स और मौजमस्ती के लिये वारदात करने वाले गैंग के दो पकड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। मौजमस्ती और ड्रग्स का सेवन करने के लिये वारदात करने वाले गैंग के दो बदमाशों को नेताजी सुभाष पैलेस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से लूट का सामान भी जब्त किया है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद इरशाद उर्फ बाबू और संजू उर्फ सरु उर्फ थापा के रूप में हुई है।

आरोपी मोहम्मद इरशाद स्थानीय पुलिस का घोषित बदमाश है। वह पहले डकैती, डकैती-सह-हत्या और चोरी सहित तीन आपराधिक मामलों में शामिल रहा

है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते बुधवार दस बजकर 40 मिनट पर सचदेवा हाउस, अर्जुन नगर, ग्रीन पार्क के रहने वाले आशुतोष अग्रवाल एनएसपी मेट्रो स्टेशन से नेताजी सुभाष प्लेस (एनएसपी) में अपने कार्यालय की ओर जा रहे थे, जब दो अज्ञात व्यक्ति पीछे से उनके पास आए और उनका मोबाइल फोन जबरन छीनकर भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया।

एसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान की देखरेख में एसएचओ महेश कुमार के निर्देशन में हेड कांस्टेबल मनोज कुमार,प्रमोद, कांस्टेबल मोहित,शुभम,श्यामवीर और कांस्टेबल राजेश को आरोपियों को पकड? का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता से मिले।

वारदात वाली जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। ह्यूमैन सार्स की सहायता के साथ साथ कई संदिग्धों की लोकेशन जानने की भी कोशिश की। मोबाइल फोन का डंप डाटा खंगाला। जिसके बाद कई संदिग्ध जगहों पर छापेमारी करने के बाद दोनों आरोपियों को उनके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया।

अवैध हथियार से युवक को जान से मारने की धमकी देने वाले तीन नाबालिग काबू

एजेंसी

नई दिल्ली।। वेलकम थाना पुलिस टीम ने अवैध हथियार से युवक को जान से मारने की धमकी देने वाले तीन नाबालिग को काबू किया है। पुलिस ने इनके पास से तमंचा बरामद किया है। पुलिस अब नाबालिगों के पास तमंचा आया कहां से इसकी जांच कर रही है।

अवैध हथियार से युवक को जान से मारने की धमकी देने वाले तीन नाबालिग काबू

उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी हरेश्वेर वी. स्वामी ने बताया कि एसीपी विवेक त्यागी और थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रूपेश कुमार खत्री की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद तत्काल जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज व स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद तीनों की पहचान नाबालिगों के रूप में हुई। पुलिस ने छापा मारकर उन्हें पकड़ लिया और इनके कब्जे से तमंचा बरामद कर लिया। पीडित़ आसिफ ने पुलिस को बताया कि वह कबीर नगर में रहता है। 10 मई को तीन लडक़े उनके घर के पास घूमते हुए दिखाई दिए। उन्होंने उन्हें वहां बेवजह घूमने और आम जनता को परेशान करने के लिए डांटा। कुछ समय बाद, वे तीनों लडक़े वापस आए और शिकायतकर्ता द्वारा उनको डांटने के लिए देसी कट्टा दिखा कर से जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच के दौरान आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस पकड़े गये नाबालिगों से पूछताछ करके यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नाबालिगों के पास तमंचा आया कहां से था।

करोड़पति था कबाड़ी, लोगों को दिखाए हसीन सपने, फिर सभी ने दे दिए करोड़ों रुपये, जब पता चला कि...

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की तंग गलियों में जहां हर कोने पर मेहनत और सपनों की खुशबू बिखरती है, एक ऐसी कहानी सामने आई, जिसने 38 लोगों के दिल तोड़ दिए. यह कहानी है जमील अख्तर नामक शख्स की है, जिसने बिना किसी पढ़ाई के धोखाधड़ी का ऐसा जाल बुना कि 6.35 करोड़ की ठगी कर डाली. लेकिन 13 मई, 2025 को उसकी गिरफ्तारी ने इस धोखे का पर्दाफाश कर दिया.

पुलिस के अनुसार, नेहरू विहार का रियाजुल हसन खान एक आम मेहनतकश इंसान इस

कहानी का पहला शिकार बना. जमील ने खुद को बड़ा कारोबारी बताकर खान और 37 अन्य लोगों को अपने जाल में फंसाया. उसने जाली कागजात और चिकनी-चुपड़ी बातों से सबका भरोसा जीत लिया. उसने दिखाया कि उसका परिवार भी इस कारोबार में हिस्सेदार है, जिससे लोगों का यकीन और पक्का हो गया. हसन और बाकी लोगों ने अपनी जिंदगी भर की कमाई के 6.35 करोड़ जमील के झूठे कारोबार में लगा दिए. लेकिन जब 18 जनवरी, 2024 को पुलिस में शिकायत हुई, तो आर्थिक अपराध शाखा ने जांच शुरू की और जमील का असली चेहरा सामने आने लगा. जमील का तरीका बड़ा चालाकी भरा था. उसने स्क्रैप ट्रेडिंग का एक झूठा कारोबार खड़ा किया और लोगों को मोटे मुनाफे की कहानियां सुनाईं. पुलिस के अनुसार, जब लोग अपने पैसे मांगने लगे, तो जमील गायब हो गया. जिसके बाद, लोगों को पता चला कि उसका कारोबार सिर्फ एक धोखा था. जब पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ, तो जमील नई मुस्तफाबाद के राजीव गांधी नगर से फरार हो चुका था. ईओडब्ल्यू के डिप्टी कमिश्नर विक्रम के पोरवाल के नेतृत्व में उसे पकड़ने के लिए दिन-रात जुटी रही. कई ठिकानों पर छापे मारे गए, लेकिन जमील हाथ नहीं आया. आखिरकार, 13 मई, 2025 को उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया. अब वह पुलिस हिरासत में है और ईओडब्ल्यू उसके साथियों की तलाश में गहरी जांच कर रही है.

दिल्ली में आंधी के कारण नमो भारत का न्यू अशोक नगर स्टेशन क्षतिग्रस्त, अगले आदेश तक के लिए हुआ बंद

एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में शनिवार को जबरदस्त आंधी के साथ बारिश हुई। इस कारण नमो भारत के न्यू अशोक नगर स्टेशन की टिन शेड हवा में उड़ गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम ने इसकी पुष्टि की है। इससे ट्रेनों की आवाजाही में दिक्कतें आई है।

वहीं इस कारण न्यू अशोक नगर स्टेशन से नमो भारत ट्रेन के परिचालन को फिलहाल रोका गया है। टिन शेड के क्षति ग्रस्त होने से ट्रेनों के परिचालन में दिक्कतें आ रही थी। इसे मरम्मत किए जाने के बाद ही शुरू किया

जा सकेगा।

घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं : एनसीआरटीसी ने एक बयान में कहा, 'आज तेज आंधी के कारण न्यू अशोक नगर नमोभारत स्टेशन पर टिन की छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एहतियात के तौर पर न्यू अशोक नगर स्टेशन पर ट्रेन संचालन को तत्काल रोक दिया गया है। घटना के संबंध में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। विस्तृत जांच चल रही है और किसी भी तरह की घटना को रोकने के लिए आवश्यक सुधार उपाय शुरू किए जा रहे हैं।'

भारत के 22 करोड़ मुसलमान... कश्मीर मुद्दे पर फुदक रहे एर्दोगन को ओवैसी ने ऐसा रगड़ा, पाकिस्तान की पैरवी करना भूल जाएगा तुर्की!

एजेंसी

नई दिल्ली।। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन एक बार फिर 'चौधरी' बनने की कोशिश में हैं. लेकिन इस बार उन्हें भारत के एक मुस्लिम नेता ने करारा जवाब दिया है. एर्दोगन ने हाल ही में कहा कि तुर्की, कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से गहन बातचीत कर चुका है और वह इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से 'मानवाधिकार आधारित समाधान' चाहता है. उन्होंने यहां तक कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभाने को भी तैयार है. AIMIM प्रमुख और सांसद

असदुद्दीन ओवैसी ने तुर्की को करारा जवाब देते हुए कहा कि भारत में 22 करोड़ मुस्लिम रहते हैं, जो पाकिस्तान से कहीं ज्यादा हैं. पाकिस्तान को मुस्लिमों का ठेकेदार बताना एक झूठा नैरेटिव है. ओवैसी ने कहा, 'तुर्की को पाकिस्तान का समर्थन करने से पहले सोचना चाहिए. भारत और तुर्की के ऐतिहासिक संबंध बहुत गहरे हैं. हैदराबाद और रामपुर रियासतों के लोगों ने तुर्की के इसबैंक में पैसा जमा किया था. लद्दाख में 1990 तक तुर्की भाषा सिखाई जाती थी. क्या तुर्की इन बातों को भूल गया है?'

भारत के मुसलमानों का सम्मान करो : ओवैसी ने आगे कहा कि 1920 तक तुर्की के उत्तरी हिस्से के हज यात्री लद्दाख होकर मुंबई जाते थे. 'हम तुर्की को याद दिलाना चाहते हैं कि भारत में 220 मिलियन सम्मानित मुसलमान रहते हैं. पाकिस्तान का इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है. तुर्की को भारत के मुसलमानों का सम्मान करना चाहिए.'

तुर्की के खिलाफ भारत में गुस्सा : 'ऑपरेशन सिंदूर' और पहलगाम हमले के बाद तुर्की के रुख ने भारत में जनाक्रोश बढ़ा दिया है. सोशल मीडिया पर 'बायकॉट तुर्की' ट्रेंड कर चुका है. पर्यटन योजनाएं रद्द हो रही हैं, तुर्की की कंपनियों को लेकर बहिष्कार शुरू हो चुका है. तुर्की की एयरलाइंस ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी Celebi Aviation का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है.

भारत की उदारता पर सवाल : लोग पूछ रहे हैं कि जब 2023 के भूकंप में भारत ने तुर्की को मदद भेजी, तो अब वही तुर्की पाकिस्तान के सुर में क्यों बोल रहा है? क्या यह भारत की उदारता का जवाब है? जेएनयू, जामिया मिलिया इस्लामिया और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जैसे संस्थानों ने तुर्की और अज़रबैजान की यूनिवर्सिटीज़ से अपने रिश्ते तोड़ दिए हैं.

फर्जी ट्रैफिक पुलिस बनकर कर रहा था उगाही, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली।। उत्तर पूर्वी दिल्ली की दयालपुर पुलिस ने गुरुवार को इलाके में फर्जी ट्रैफिक पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया है। वह ट्रैफिक पुलिस की वेशभूषा में तैनात होकर आने जाने वाले लोगों को मोबाइल फोन से चालान करने की धमकी देकर ठगी व उगाही कर रहा था।

पुलिस को इसके पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन, कुछ नकद, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वर्दी व दिल्ली पुलिस का मोनोग्राम लगा मास्क और मोबाइल में ट्रैफिक पुलिस की वर्दी वाली एक फोटो बरामद हुई है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच करते हुए आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, गुरुवार सुबह करीब 11.47 बजे दयालपुर थाने में आरोपी के बारे में सूचना मिली। पता चला कि एक व्यक्ति भजनपुरा थाने के पास यू-टर्न पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी बनकर चालान काट रहा है। इसके अलावा लोगों को चालान करने के बहाने डरा धमका कर उनसे उगाही कर रहा है।

सूचना मिलते ही एसएचओ दयालपुर परमवीर दहिया की टीम मौके पर पहुंची जहां पुलिसकर्मियों की मुलाकात ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों से हुई। वहां एक व्यक्ति नीली पैंट, सफेद शर्ट, नीले रंग की ट्रैफिक पुलिस की जैकेट और दिल्ली पुलिस के मोनोग्राम वाला नीला मास्क पहने हुए दिखाई दिया। वह आने जाने वाले लोगों को मोबाइल फोन दिखाकर धमका रहा था। बातचीत के दौरान एएसआई रवि कुमार को उस पर शक हुआ तो क्यूआरटी की मदद से उसे तुरंत काबू कर लिया गया। जांच में आरोपी की पहचान 25 वर्षीय सोनू कुमार निवासी बागपत, यूपी के रूप में हुई। जांच में वह फर्जी ट्रैफिक पुलिसकर्मी निकला तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस की उक्त सारी वेशभूषा जब्त कर ली गई।

गर्मियों में खरबूजा तो खाएं... लेकिन साथ में भूलकर भी न खाएं ये सफेद चीजें

ये सच है कि गर्मियां अपने साथ कई गंभीर बीमारियों को साथ लेकर आती है. इसलिए जितना हो सके खुद का बचाव करने में ही समझदारी है. हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो गर्मी में सेहतमंद रहने का एक ही फॉर्मूला है हेल्दी खानपान. गर्मियों में पानी से युक्त चीजों का अधिक सेवन फायदेमंद है. इस मौसम में की शुरुआत होते ही खरबूजा की भरमार हो जाती है. यह गर्मी से बचाने में अहम भूमिका भी निभाता है.

खरबूजा गर्मी में शरीर को ठंडक देने के लिए जाना जाता है, लेकिन क्या कुछ चीजों को इसके साथ खाने की गलती नहीं करनी चाहिए. ये चीजें आपकी सेहत को बिगाड़ सकती हैं. यही नहीं आपनी जान-माल का भी जोखिम बढ़ा सकते हैं. अब सवाल है कि आखिर खरबूजे के साथ किन चीजों को नहीं खाना चाहिए? खरबूजे में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं? इस बारे में चै18 को बता रही हैं दिल्ली डाइट क्लीनिक नोएडा की डाइटिशियन अमृता मिश्रा-

खरबूजे में मौजूद पोषक तत्व : एक्पर्ट के मुताबिक, खरबूजा गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखने और ठंडक देने के लिए बेहतरीन फल है. इसमें पानी की मात्रा भरपूर होती है और यह विटामिन A, C और फाइबर से भी समृद्ध होता है. हालांकि, अगर इसे गलत चीजों के साथ खाया जाए, तो यह सेहतमंद फल भी नुकसान पहुंचा सकता है.

खरबूजे के साथ क्या नहीं खाएं : एक्सपर्ट के मुताबिक, खरबूजे के साथ दूध या दूध से बनी चीजें जैसे मिल्कशेक, दही, क्रीम आदि नहीं खानी चाहिए. आयुर्वेद में इस कॉम्बिनेशन को विरुद्ध आहार कहा गया है, यानी ऐसी चीजें जो साथ में खाने पर शरीर में टॉक्सिन्स उत्पन्न करती हैं और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाती हैं. इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि, दूध स्वभाव से भारी होता है और पचने में समय लेता है, जबकि खरबूजा जल्दी पच जाने वाला फल है.

खरबूजा और दूध या दूध से बनी चीजों को साथ खाना सेहत के लिए ठीक नहीं हैं. ये चीजें साथ खाने से पेट में गैस, एसिडिटी, उल्टी और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं. साथ ही कुछ लोगों में यह संयोजन एलर्जिक रिएक्शन या टॉक्सिक प्रभाव पैदा कर सकता है, जिससे गंभीर स्थिति जैसे फूड पॉइजनिंग या ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट आ सकती है. एक्सपर्ट के मुताबिक, कभी भी खरबूजे को खाली पेट नहीं खाना चाहिए. खरबूजे को खाने के तुरंत बाद भी नहीं खाना चाहिए. इसके लिए बेहतर होगा कि इसे दोपहर में स्नैक के रूप में खाएं. यदि आपने दूध या दही लिया है, तो खरबूजा खाने से पहले कम से कम 2 घंटे का अंतर होना चाहिए. इसके अलावा, खरबूजा खाने के 30 मिनट बाद ही पानी पीना चाहिए.

महाभारत : अगर कर्ण को पहले ही पता चल जाता कि वो पांडवों के भाई हैं तो क्या होता

अगर कर्ण को ये बात पहले से मालूम होती कि वह पांडवों का बड़ा भाई है तो उसका जीवन कुछ और होता. वह दुर्योधन के साथ शायद ही होता

अगर कर्ण को युद्ध से पहले ही पता चल जाता कि वह कुंती का पुत्र और पांडवों का बड़ा भाई है, तो क्या महाभारत की कथा पूरी तरह बदल सकती थी. दरअसल केवल तीन लोग जानते थे कि कर्ण वास्तव में कुंती का पुत्र है. इन तीन में दो ने ये बात कर्ण को ठीक महाभारत युद्ध से पहले बताई. तब कुछ नहीं बदल सकता था. लेकिन शायद ये तस्वीर तब अलग होती अगर ये बात कर्ण को उसके युवा काल या बचपन में ही बता दी गई होती. हालांकि इस बात पर विद्वानों, पौराणिक ग्रंथों और आधुनिक विश्लेषणों में अलग-अलग बातें कही गई हैं.

जब कुंती ने ये बात कर्ण को बताई : महाभारत के उद्योग पर्व के 143 वें अध्याय में कहा गया है कि युद्ध से पहले कुंती कर्ण के पास जाती हैं. उसे बताती हैं कि वह उसकी मां हैं. पांडव उसके भाई हैं. वह उसे पांडवों के पक्ष में आने के लिए मनाती हैं. तब कर्ण का जवाब होता है कि वह बेशक वह कुंती को मां मानता है, लेकिन दुर्योधन के प्रति निष्ठा और अपमान के कारण पांडवों का साथ नहीं देगा.

साथ ही कुंती को ये दिलासा भी देता है कि वह युद्ध में केवल अर्जुन को ही मारेगा, ताकि उसकी मां के पांच पुत्र बने रहें. महाभारत में ये साफ है कि कर्ण अर्जुन को हराने की अपनी प्रतिज्ञा से बंधा था, भले ही वह अपने भाइयों को बचाना चाहता था.

जब कृष्ण ने घर जाकर कर्ण को ये सच बताया : श्रीमद्भागवत पुराण (1.8.17-18) कहती है कि जब युद्ध से पहले कृष्ण खुद कर्ण के घर जाते हैं. उससे मिलकर उसके जन्म का रहस्य बताते हैं. उसे धर्म का मार्ग दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ण अपनी प्रतिज्ञा (दुर्योधन के प्रति वफादारी) के कारण नहीं मानता.

क्या होता अगर कर्ण पहले जान जाता : शायद युद्ध टल सकता था. अगर कर्ण को बचपन या युवावस्था में ही पता चल जाता कि वह कुंती का पुत्र है, तो वह पांडवों के साथ बड़ा होता. तब वह दुर्योधन के पाले में नहीं होता और पांडवों के साथ उसके रिश्तों में कोई कटुता नहीं आती.

तब कर्ण युधिष्ठिर की जगह हस्तिनापुर का उत्तराधिकारी बन सकता था (क्योंकि वह कुंती का ज्येष्ठ पुत्र था). तब दुर्योधन की इतनी ताकत भी नहीं होती, ना ही वो फिर पांडवों से इतनी अदावत लेता, ना ही पांडवों के खिलाफ षड्यंत्र कर पाता.

युद्ध का स्वरूप बदल जाता : कर्ण अगर पांडवों के पक्ष में आ जाता, तो कौरवों की हार निश्चित थी, क्योंकि कर्ण और अर्जुन के मिल जाने से संयुक्त बल अजेय होता. दुर्योधन तब शायद ही युद्ध की हिम्मत ही नहीं करता. हालांकि दुर्योधन को युद्ध और पांडवों के खिलाफ उकसाने वालों में कर्ण भी था. राहुल सांकृत्यायन अपनी किताब महाभारत की ऐतिहासिकता में लिखते हैं, 'कर्ण की कहानी एक ऐसे योद्धा की है जो सच जानकर भी उसे झुठलाता नहीं, बल्कि उसके साथ न्याय करता है.'

कर्ण के परिवार का क्या पांडवों से मेल हुआ : महाभारत युद्ध के बाद कर्ण की मृत्यु तो हुई ही, साथ ही उसके दस पुत्रों में केवल उसका सबसे छोटा पुत्र वृषकेतु ही जीवित बचा रहा. बाकी सभी पुत्र युद्ध में मारे गए थे – अधिकांश पांडवों के ही हाथों. कर्ण की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी वृषाली ने पति के वियोग में सती होना चुना. वह चिता पर बैठ गई.

कर्ण के पुत्र को अपनाया : कर्ण की मृत्यु के बाद, जब पांडवों को यह पता चला कि कर्ण वास्तव में उनकी माता कुंती का पुत्र और उनका बड़ा भाई था, तो उन्हें गहरा पछतावा हुआ. इसके पश्चात पांडवों ने कर्ण के जीवित पुत्र वृषकेतु को न केवल अपनाया, बल्कि उसे राजकुमार जैसा सम्मान दिया. वृषकेतु को पांडवों ने अपने साथ रखा, उसे शिक्षा दी. कई युद्धों में अर्जुन के साथ भेजा गया. अर्जुन ने उसे युद्धकला की शिक्षा दी. वह अर्जुन के साथ अश्वमेध यज्ञ के दौरान अनेक युद्धों में शामिल हुआ. कहा जाता है कि वृषकेतु ने कई क्षेत्रों को जीतकर अर्जुन की सहायता की थी. कुछ कथाओं के अनुसार, वृषकेतु को ब्रह्मास्त्र, वरुणास्त्र, अग्नि और वायुस्त्र जैसे दिव्य अस्त्रों का ज्ञान था, जो उसे अपने पिता कर्ण से मिला था. वह अत्यंत वीर और योग्य योद्धा बना.

कैसे खाएं बादाम, छिलका या बिना छिलके वाला?

90% लोग नहीं जानते खाने का सही तरीका

ड्राई फ्रूट्स में बादाम का सेवन आप करते होंगे, लेकिन कुछ लोग इसे कच्चा खाना पसंद करते हैं तो कुछ इसे पानी में भिगो कर खाते हैं. क्या आप भी पानी में भिगोया बादाम खाना पसंद करते हैं? यदि हां तो क्या आप इसे छिलके सहित खाते हैं या फिर छिलका हटा कर? दरअसल, सूखे बादाम की तुलना में भिगोए बादाम खाना बहुत हेल्दी होते हैं, लेकिन जब आप इसे छिलका हटाकर खाते हैं तो लाभ अधिक होता है. चलिए जानते हैं कि बादाम खाने का सही तरीका क्या है?

बादाम में मौजूद पोषक तत्व : बादाम में ढेरों पोषक तत्व होते हैं. टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, बादाम में प्रोटीन, फाइबर, मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स आदि होते हैं. ये सभी हार्ट से लेकर हड्डियों की सेहत को सपोर्ट करते हैं. साथ ही बादाम खाने से शरीर में एनर्जी लेवल भी बढ़ती है. वजन भी कंट्रोल में रहता है.

बादाम कैसे खाएं : -आप चाहें तो बादाम को भून कर, कच्चा, पानी में भिगोकर या फिर किसी भी डिश, मीठे व्यंजन, बिरयानी, स्मूदी, शेक आदि में भी डाल सकते हैं. जब आप बादाम को रातभर पानी में भिगोकर सेवन करते हैं तो इससे पाचन में सुधार होता है. पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है.

आप बादाम को छिलका और बिना छिलका दोनों ही तरीके से खा सकते हैं. लेकिन जब आप इसे पानी में भिगोकर और छिलका हटा कर खाते हैं तो अधिक लाभ होता है. पोषक तत्व अधिक शरीर को प्राप्त होते हैं. बिना छिलका हटाए बादाम में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट अधिक होते हैं, वहीं बिना छिलके वाले बादाम को पचाना काफी आसान हो सकता है.

छिलका सहित खाने से फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स अधिक होता है. पेट देर तक भरा होने का अहसास होता है. उनके लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है, जिनका पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है. ऐसे में छिलके के साथ फायदेमंद रहता है. हालांकि, छिलके सहित खाना कुछ लोगों के लिए पचाने में अधिक समय भी लगता है.

बादाम के छिलकों में टैनिन होते हैं, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डाल सकते हैं. भिगोकर और छिलका उतारकर इस समस्या से बचा जा सकता है.

बिना छिलके के बादाम खाना : जब आप छिलका हटाकर भिगोया हुआ बादाम खाते हैं तो भी इसमें प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, विटामिंस होते हैं और एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर की मात्रा थोड़ी कम होती है. ऐसा इसलिए क्योंकि ये मुख्य रूप से छिलके में ही पाए जाते हैं. छिलका रहित बादाम को पचाना आसान होता है. बादाम के छिलकों में टैनिन होते हैं, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डाल सकते हैं. भिगोकर और छिलका उतारकर इस समस्या से बचा जा सकता है. वैसे तो दोनों ही तरह से बादाम खाना फायदेमंद है, लेकिन आपकी पाचन शक्ति मजबूत नहीं है तो आप छिलका हटाकर ही खाएं.

नॉर्मल डिलीवरी चाहिए तो प्रेग्नेंसी में खाएं ये 5 चीजें! लेबर पेन होगा कम, जच्चा-बच्चा दोनों रहेंगे हस्ट-पुष्ट

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध का सिलसिला जारी है. भारत की तरफ से सिर्फ आतंकी ठिकानों पर हमला किया जा रहा है, लेकिन पाकिस्तान भारत के रिहायशी क्षेत्रों में भी रॉकेट लॉन्चर, मिसाइलों से हमला करने का प्रयास कर रहा है. हालांकि, उसके सारे प्रयास भारतीय आर्मी नाकामयाब करने में सफल साबित हो रही है. भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान के हर हमलों का मुंह तोड़ जवाब दिया है.वैसे, किसी भी युद्ध का अंजाम और उसका असर उस देश के लोगों पर नकारात्मक रूप से न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी होता है. इस समय लोग दहशत के माहौल में जी रहे हैं. वहीं, पाकिस्तान द्वारा परमाणु हमले की धमकी देने के बाद ही भारत ने इतना बड़ा कदम उठाया. 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत अब तक कई पाकिस्तानी आतंकवादियों और उनके संगठनों के ठिकानों को नष्ट किया जा चुका है.

क्या हो अगर परमाणु हमला किया जाए : परमाणु बम से हमला करना बेहद ही खतरनाक होता है. आपने किताबों में भी सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बारे में पढ़ा होगा, जब जापान में हिरोशिमा, नागासाकी पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम से अटैक किया गया था. इससे जो विस्फोट हुआ था , उससे निकलने वाले रेडिएशन से लाखों लोगों की जान चली गई थी. रेडिएशन का असर इतना भायवह होता है कि सेहत पर इसका वर्षों असर होता है. ऐसे में अगर ऐसी परिस्थिति बन जाती है कि परमाणु अटैक करने की नौबत आ जाए तो इसके नकारात्मक असर से कैसे बचा जा सकता है?

परमाणु बम के सेहत पर होने वाले साइड एफेक्ट्स : परमाणु बम से कई तरह के नकारात्मक प्रभाव इंसानों को हो सकता है. इसमें मृत्यु तत्काल होती है. साथ ही शरीर पर कई तरह की गंभीर चोट, विकिरण, लॉन्ग टर्म हेल्थ संबंधित समस्याएं होती हैं. जब परमाणु बम विस्फोट करता है तो उससे निकलने वाले विकिरण के संपर्क में आने से बल्ड सेल्स में कमी, उल्टी, डायरिया, हेयर फॉल, कैंसर, बांझपन, बच्चों में जन्मदोष जैसे गंभीर लक्षण देखे जा सकते हैं. सांस संबंधित समस्याएं, हार्ट डिजीज, कान, आंख को नुकसान भी हो सकता है.इससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान होता है, जिसका नेगेटिव असर इंसानों की सेहत पर वर्षों कई तरह के जोखिम पैदा करते रहते हैं. विस्फोट से गर्मी बढ़ती है, रेडिएशन के कारण त्वचा के जलने, क्षतिग्रस्त होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है.

परमाणु बम के रेडिएशन से बचाव के तरीके : वैसे तो फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं कि परमाणु बम से हमला किया जाए, लेकिन भिवष्य में ऐसी स्थिति आती भी है तो रेडिएशन के प्रभाव से आप खुद को किसी तरह से बचा सकते हैं, ये जानना जरूरी है. हालांकि, जिस एरिया में परमाणु बम फेंका जाता है, वहां तो काफी दूर-दूर तक जान बचने की उम्मीद नहीं होती, लेकिन दूर के इलाकों में रहने वाले इस रेडिएशन के प्रभाव से बचने के लिए कुछ उपाय जरूर ट्राई कर सकते हैं, ताकि सेहत को कोई नुकसान न हो.

– आप जिस जगह भी रहते हों, अगर परमाणु अटैक होता भी है और आप उसमें भगवान की दुआ से बच जाते हैं तो बेहद जरूरी है खुद को रेडिएशन के असर से बचाना. रेडिएशन फैलने के कारण किसी सेफ जगह पर ही छिपे रहने की कोशिश करें.

– कोई ऐसी जगह हो जो ठंडी और बंद हो. यहां से एक-दो दिनों तक बाहर निकलने का प्रयास न करें.

– कई बार हवा में रेडिएशन के कण फैलते हैं, जो आपके कपड़ों में भी चिपक सकते हैं. ऐसे में कपड़े को तुरंत उतार कर कहीं बॉक्स, प्लास्टिक बैग में डालकर रख दें. आप अपने घर के सदस्यों और पेट्स से भी इसे दूर छिपाकर रखें.

-रेडिएशन से निकलने वाले छोटे कण आपके बाल, खुले शरीर के भाग में चिपक सकते हैं. ऐसे में आप तुरंत स्नान कर लें. भले आप उस स्थान पर न हों, जहां बम से भारी तबाही हुई हो, लेकिन उसका असर वातावरण में दूर तक होता है. बेहतर है कि आप घर में रहें और स्नान कर लें. त्वचा को बहुत अधिक रगड़े नहीं.

– बाहर जाने से बचें. अपने घर में ही रहें. खिड़की और दरवाजे सभी बंद कर लें ताकि बाहर की हवा अंदर न आ सके. अपने घर के सभी एग्जॉस्ट फैन भी चलाकर रखें. इससे आप रेडिएशन के संपर्क में आने से बचे रह सकते हैं.

– अपने देश की सरकार द्वारा जारी किए गए सभी नियमों, मानकों को फॉलो करें. वैसे तो ऐसी स्थिति आनी ही नहीं चाहिए, जिसमें परमाणु युद्ध हो, क्योंकि इसके परिणाम बहुत ही घातक होते हैं. लाखों लोगों की जानें जा सकती हैं और जो लोग बच भी जाते हैं तो उन्हें वर्षों रेडिएशन के दुष्प्रभाव का खतरा बना रहता है.

क्या खाने के तुरंत बाद दूध पी सकते हैं? अगर नहीं तो कितनी देर बाद करें सेवन

सेहतमंद रहने के लिए लोग दूध समेत तमाम चीजों का सेवन करते हैं. यह शरीर के लिए बेहद फायदेमंद चीजों में से एक है. एक्सपर्ट के मुताबिक, दूध में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन ए, के, डी और आई, फास्फोरस, मैग्नीशियम और आयोडीन जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. ये सभी तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से बचाने का काम करते हैं. इसके नियमित सेवन से वजन कंट्रोल रहता है साथ ही मांसपेशियों का विकास होता है. हालांकि, इसका लाभ तभी मिलेगा, जब आप सही समय पर दूध पीते हैं. ऐसे में कई लोगों का सवाल होता है कि, क्या खाने के तुरंत बाद दूध पी सकते हैं? अगर नहीं तो भोजन करने के कितने समय बाद दूध पीना सही? इस बारे में बता रही हैं डाइट फॉर डिलाइट क्लीनिक नोएडा की डाइटिशियन खुशबू शर्मा-

रोज दूध पीने के फायदे क्या हैं : एक्सपर्ट के मुताबिक, गर्म दूध में लेक्टाब्लूमिन प्रोटीन पाया जाता है. यह ट्रिप्टोफैन एमिनो एसिड है. क्रिप्टोफैन सेरोटोनिन हार्मोन को बनाने में बहुत मदद करता है. सेरोटोनिन मेलाटोनिन हार्मोन बनाता है. मेलाटोनिन नींद वाला हार्मोन है. जब मेलाटोनिन हार्मोन रिलीज होगा तो रात में अच्छी नींद आएगी. साथ ही यह वेट लॉस, हड्डियों को मजबूत बनाने और स्ट्रेस दूर करने में भी बहुत कारगर है. डाइटिशियन की मानें तो खाना खाने के तुरंत बाद दूध पीने से बचना चाहिए. इसके अलावा दूध पीने से तुरंत पहले खट्टी चीजें या फल, दही, नमकीन चीजों के भी सेवन से बचना चाहिए. ऐसा करने से सेहत को नुकसान हो सकता है. ऐसे में सवाल है कि खाना खाने के कितने समय बाद दूध पीना सही रहता है?

एक्सपर्ट के मुताबिक, खाना खाने के 40 मिनट बाद दूध पीना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है.

दूध खाली पेट भी पीने से बचें : एक्सपर्ट के मुताबिक खाली पेट दूध पीने से बचना चाहिए. ऐसा करने से कब्ज और गैस की परेशानी हो सकती है. बता दें कि, डाइजेशन संबंधी लोगों को कुछ खाने के बाद ही दूध पीने की सलाह दी जाती है. हालांकि छोटे बच्चों के लिए ऐसा करना नुकसानदायक नहीं होता है. वे किसी भी वक्त दूध पी सकते हैं. ऐसा करने से उन्हें एनर्जी मिलती है. वहीं, बड़ों को सुबह-सुबह दूध पीने से बचना चाहिए.

गुनगुना दूध पीना अधिक फायदेमंद : एक्सपर्ट के मुताबिक, वयस्कों को रात में सोने से करीब एक घंटा पहले दूध पीना चाहिए. बता दें कि, इस पीया गया दूध डाइजेशन सिस्टम को दुरुस्त करता है. यदि आप इस वक्त हल्का गर्म दूध पीते हैं तो कई बीमारियों का खतरा टल जाता है. इसके अलावा दिनभर की थकान भी दूर हो जाती है और आपको अच्छी नींद आती है.

लंबे या गोल बैंगन, कौन सा वाला ज्यादा खतरनाक!

बैंगन का हर प्रकार, चाहे वह लंबा हो या गोल... अपने आप में पोषण से भरपूर होता है. लेकिन अगर तुलना करनी हो कि कौन सा बैंगन फायदेमंद है और किससे नुकसान होता है तो आपको कुछ पहलुओं पर विचार करना जरूरी है. आइए इस आर्टिकल के माध्यम से आपकी समस्या को दूर करते हैं...

बैंगन एक सामान्य सब्जी है, जो ज्यादातर हर घर में बनाई जाती है. यह बेहद गुणकारी सब्जी है, जो भारतीय किचन में कई रूपों में उपयोग होती है- जैसे भर्ता, भरवां बैंगन, करी आदि. लेकिन आपने सब्जी मंडी या घर में दो प्रकार के बैंगन देखे होंगे, कुछ बैंगन लंबे होते हैं तो कुछ बैंगन गोल. सामान्यतः बैंगन चाहे लंबे हों या गोल, दोनों ही प्रकार के बैंगन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं, अगर वे ताजे और सही तरीके से पकाए गए हों. लेकिन अगर हम यह जानना चाहें कि इनमें से कौन सा ज्यादा फायदेमंद और कौन ज्यादा नुकसान देय हो सकता है, तो इसका उत्तर कुछ महत्वपूर्ण बातों पर निर्भर करता है. आइए इस आर्टिकल के माध्यम से जानते हैं कौन सा बैंगन आपके लिए फायदेमंद रहेगा और कौन सा बैंगन नुकसान दायक...

लंबे बैंगन : लंबे बैंगन, जो खासतौर पर गहरे बैंगन रंग के होते हैं, उन बैंगन में ऑक्सलेट की मात्रा अधिक पाई जाती है, जो किडनी स्टोन का कारण बन सकती है. कुछ लोगों को रसोई में लंबे बैंगन को पकाने में कई तरह की मुश्किलें आती हैं, क्योंकि वे गोल बैंगन की तुलना में अधिक समय लेते हैं.

गोल बैंगन : गोल बैंगन में ऑक्सलेट की मात्रा अधिक पाई जाती है और बैंगन में इसकी मात्रा ज्यादा होने से यह पाचन संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है. गोल बैंगन को लंबे बैंगन की तुलना में अधिक आसानी से पकाया जा सकता है, क्योंकि गोल बैंगन ज्यादा नरम होते हैं.

पचने में आसानी : लंबे बैंगन आमतौर पर छोटे, कोमल और बीज रहित होते हैं. गोल बैंगन, विशेष रूप से बड़े आकार के, बीजों से भरे होते हैं और कभी-कभी कड़वे या भारी हो सकते हैं. इस मामले में लंबा बैंगन ज्यादा हल्का और सुपाच्य माना जा सकता है.

कुकिंग वर्सटिलिटी : गोल बैंगन भरवां बैंगन, बैंगन का भर्ता और रिच ग्रेवी डिशेज में अच्छा काम करता है. लंबे बैंगन फ्राई, सब्जी, पराठे या हल्की करी में अधिक सुविधाजनक होते हैं.

दोनों के उपयोग अलग-अलग व्यंजनों में होता है, लेकिन लंबे बैंगन हर रोज की कुकिंग में ज्यादा सुविधाजनक होते हैं.

स्वाद और कड़वाहट : बड़े गोल बैंगन में कभी-कभी कड़वाहट होती है खासकर जब वे पुराने हो जाते हैं. लंबे बैंगन, खासकर छोटे और ताजे होने पर ज्यादा स्वादिष्ट और मीठे होते हैं.

निष्कर्ष : लंबे बैंगन अधिक फायदेमंद और सुपाच्य होते हैं, खासकर अगर आप रोजमर्रा की हल्की और पौष्टिक डाइट चाहते हैं. गोल बैंगन खास व्यंजनों जैसे भरवां बैंगन या भर्ता के लिए अच्छे हैं, लेकिन उनका चुनाव सावधानी से करें (कड़वाहट और बीजों के कारण).

बैंगन खाने के फायदे

- हृदय को स्वस्थ रखता है
- डायबिटीज में लाभदायक
- वजन घटाने में सहायक
- कैंसर से बचाव में सहायक
- हड्डियों को मजबूत बनाना
- मस्तिष्क के लिए फायदेमंद
- त्वचा और बालों के लिए लाभकारी
- पाचन में सुधार करता है
- एनीमिया (रक्ताल्पता) में फायदेमंद

बैंगन खाते समय बरतें सावधानी

1- बैंगन को अधिक मात्रा में खाने से बचना चाहिए क्योंकि कुछ लोगों को बैंगन से गैस या एलर्जी हो सकती है.

2- प्रेग्नेंट महिलाएं डॉक्टर की सलाह से ही बैंगन का सेवन करना चाहिए.

3- कच्चा बैंगन भूलकर भी नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसमें सोलनिन नामक पदार्थ पाया जाता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है.

'मैं बयां नहीं कर सकता...' स्टैंड उद्घाटन के बाद भावुक हुए रोहित शर्मा? रेलवे ट्रैक को याद किया

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारतीय टीम के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश पोस्ट किया, जब वानखेड़े स्टेडियम में उनके नाम पर एक स्टैंड का उद्घाटन किया गया. इस मौके पर उनके माता-पिता और पत्नी भी मौजूद थे. मुंबई के इस खिलाड़ी के लिए यह गर्व का पल था. रोहित ने अपने माता-पिता का धन्यवाद किया और उन्हें स्टेज पर ले जाकर स्टैंड का उद्घाटन किया.

रोहित ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'यह एक अद्भुत एहसास है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता. इस स्टैंड के पीछे एक रेलवे ट्रैक है. मुझे वे दिन याद हैं जब हम ट्रेन से आते थे और इस स्टेडियम की एक झलक पाने के लिए उत्सुक रहते थे. उस समय यह एक विशेष एहसास था. यह और भी खास है क्योंकि मेरा परिवार, माता-पिता, भाई, पत्नी यहां हैं. मैं उनके द्वारा किए गए सभी बलिदानों के लिए आभारी हूं.'

इसके बाद वीडियो में देखा गया कि उनके पिता और मां, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ, एक स्विच दबाकर रोहित शर्मा स्टैंड का पर्दा उठाते हैं. भारतीय क्रिकेटर की पत्नी रितिका उनके बगल में खड़ी थीं, गर्व और संतोष के साथ मुस्कुरा रही थीं. रोहित के अलावा, पूर्व भारतीय कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार को भी उनके नाम के स्टैंड से सम्मानित किया गया.

रोहित के लिए यह एक ऐसा क्षण था जिसका उन्होंने बचपन से सपना देखा था, भारतीय क्रिकेट के कुछ महान नामों के साथ अपना नाम जुड़ते देखना. रोहित ने कहा, 'आज जो होने वाला है, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था. बचपन में, मैं मुंबई और भारत के लिए खेलना चाहता था. मेरे लिए, खेल के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना, इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता.' रोहित अब एक्शन में तब नजर आएंगे जब मुंबई इंडियंस 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी, और वह पहली बार अपने नाम वाले स्टैंड के सामने खेलेंगे.

वापस ले जाओ या... अमेरिका ने भारत के 15 जहाज भरकर आम क्यों ठुकराए?

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत से अमेरिका भेजे गए आम की कई खेपों को अमेरिकी अधिकारियों ने खारिज कर दिया है. कम से कम 15 शिपमेंट्स को दस्तावेजों में खामी की वजह से रिजेक्ट कर दिया गया. इन आमों को मुंबई में निर्धारित प्रक्रिया के तहत रेडिएशन ट्रीटमेंट (Irradiation) देने के बाद एयर कार्गो से अमेरिका भेजा गया था, लेकिन लॉस एंजेलेस, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा एयरपोर्ट्स पर इन्हें स्वीकार करने से इनकार कर दिया गया.

भारत से अमेरिका भेजे गए आमों को अमेरिकी कृषि विभाग (USDA) की निगरानी में नवी मुंबई के वाशी स्थित सुविधा केंद्र पर 8 और 9 मई को रेडिएशन ट्रीटमेंट दिया गया था. यह प्रक्रिया कीटों को खत्म करने और शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए अनिवार्य होती है. लेकिन अमेरिकी

अधिकारियों ने रेडिएशन से जुड़े दस्तावेजों (खासकर PPQ203 फॉर्म) में गड़बड़ी बताते हुए इन शिपमेंट्स को प्रवेश नहीं दिया.

PPQ203 एक जरूरी प्रमाणपत्र होता है, जिसे अमेरिकी अधिकारी ही भारत में जारी करते हैं. एक्सपोर्टर्स का कहना है कि यह गलती उनकी नहीं, बल्कि नवी मुंबई में मौजूद रेडिएशन सेंटर की है. एक निर्यातक ने कहा, 'हमसे गलती नहीं हुई, फिर भी हमें इसकी सजा दी जा रही है.'

नुकसान और स्थिति : ET की रिपोर्ट के मुताबिक, इन शिपमेंट्स को या तो भारत वापस भेजने या नष्ट करने का विकल्प दिया गया था. लेकिन आम की जल्दी खराब हो जाने वाली प्रकृति और रिवर्स ट्रांसपोर्ट की लागत के चलते निर्यातकों ने इन आमों को नष्ट करना ही बेहतर समझा. इससे करीब 5 लाख डॉलर

अमेरिका ने दस्तावेजों में खामी के कारण भारत से भेजे गए 15 आम शिपमेंट्स को खारिज कर दिया. निर्यातकों को 4.2 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ.

(लगभग 4.2 करोड़ रुपये) के नुकसान का अनुमान है.

USDA की ओर से एक निर्यातक को भेजे गए नोटिफिकेशन में कहा गया है कि PPQ203 फॉर्म गलत तरीके से जारी किया गया था, इसलिए अमेरिकी सीमा शुल्क विभाग ने इस खेप को एंट्री देने से मना कर दिया. साथ ही ये भी साफ किया गया कि इस शिपमेंट के लिए अमेरिकी सरकार किसी भी तरह की जिम्मेदारी या राहत नहीं देगी.

किसकी है जिम्मेदारी : इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने कहा कि ये मामला महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल (MSAMB) द्वारा संचालित वाशी केंद्र से संबंधित है, जो कि USDA से मान्यता प्राप्त है. इसलिए जरूरी जानकारी वहीं से ली जानी चाहिए.

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा आम निर्यात बाजार : गौरतलब है कि अमेरिका भारत के आमों का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन है. रेडिएशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी अगर दस्तावेज़ में गलती के कारण शिपमेंट खारिज होता है, तो यह सिर्फ व्यापारिक नुकसान नहीं बल्कि प्रक्रिया और प्रबंधन की बड़ी चूक को भी उजागर करता है. अब यह देखना होगा कि भारत सरकार और संबंधित एजेंसियां इस मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करती हैं या नहीं.

$22 अरब का झटका! ऐपल और भारत के बीच आए ट्रंप! कंपनी को भारत में प्लांट बंद करने को कहा

एजेंसी

नई दिल्लीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने Apple Inc. के टिम कुक से भारत में प्लांट बनाना बंद करने को कहा है। आईफोन बनाने वाली यह कंपनी भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन करना चाहती है। लेकिन ट्रंप कंपनी की चीन से बाहर उत्पादन बढ़ाने की योजना से खुश नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान से Apple की योजना में रुकावट आ सकती है। Apple चाहती है कि अगले साल के अंत तक ज्यादातर ग्इफ्दहा भारत में बनें। इससे चीन पर निर्भरता कम हो जाएगी। अभी Apple ज्यादातर iPhone चीन में बनाती है और अमेरिका में कोई भी स्मार्टफोन नहीं बनता है। ट्रंप ने कतर यात्रा में ऐपल के सीईओ टिम कुक से इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'कल टिम कुक के साथ मेरी थोड़ी समस्या हुई। कुक भारत में प्लांट बना रहे हैं

और मैं नहीं चाहता हूं कि Apple भारत में प्लांट बनाए।' ट्रंप ने दावा किया कि इस बातचीत के बाद Apple अब अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगा। ट्रंप ने साफ कहा, 'हमें भारत में आपके प्लांट बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत अपना ख्याल रख सकता है।'

ट्रंप ने क्या कहा : अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में दूसरे देशों से आने वाले सामान पर बहुत ज्यादा टैक्स लगता है। इसलिए अमेरिकी सामान को भारत में बेचना मुश्किल है। भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत ने अमेरिकी सामान पर टैक्स कम करने का प्रस्ताव दिया है। भारत चाहता है कि आयात करों पर एक समझौता हो जाए।

Apple और उसके सप्लायर चीन से दूर जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसकी शुरुआत तब हुई जब चीन में COVID-19 के कारण Apple के सबसे बड़े प्लांट में उत्पादन रुक गया था। ट्रंप द्वारा लगाए गए टैक्स और अमेरिका-चीन के बीच तनाव ने Apple को यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। भारत में बनने वाले ज्यादातर iPhone फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप के प्लांट में बनते हैं। यह प्लांट दक्षिण भारत में है।

ऐपल का भारत में उत्पादन : टाटा ग्रुप की इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली कंपनी भी Applel की एक बड़ी सप्लायर है। टाटा ने विस्ट्रॉन कॉर्प का लोकल बिजनस खरीद लिया है और भारत में पेगाट्रॉन कॉर्प के कामकाज को भी संभाल रही है। इससे पहले खबर आई थी कि टाटा और फॉक्सकॉन दक्षिण भारत में नए प्लांट बना रहे हैं और उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। Apple ने मार्च तक पिछले 12 महीनों में भारत में 22 बिलियन डॉलर के ग्इफ्दहा बनाए हैं। पिछले साल के मुकाबले इस साल उत्पादन लगभग 60% बढ़ा है।

240 अंडे, 3 KG चिकन, एक बाल्टी चावल... एक दिन में इतना खा जाता है ढाई क्विंटल का WWE स्टार

एजेंसी

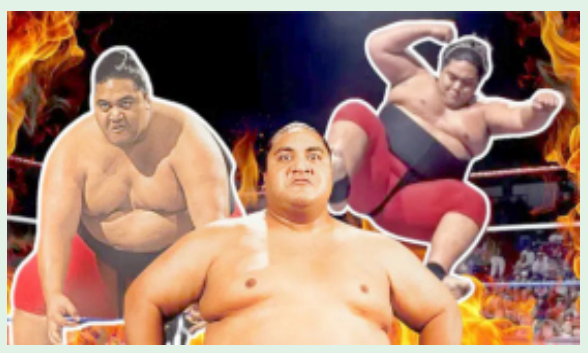

नई दिल्लीः WWE में कई रेसलर्स को अपने करियर में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई बार उनके शरीर और खाने पीने की आदतों की वजह से उन्हें परेशानी हुई। एक समय था जब WWE में सुमो रेसलर्स भी हुआ करते थे। उस समय WWE सुमो रेसलर्स की वजह से काफी चर्चा में था। लेकिन WWE ने कुछ सालों पहले सुमो रेसलिंग का सेगमेंट बंद कर दिया। आज हम एक ऐसे ही रेसलर की बात कर रहे हैं जिनका वजन बहुत ज्यादा था। उनका नाम योकोजुना था। योकोजुना अपने भारी वजन के कारण जाने जाते थे।

600 पाउंड के थे योकोजुना : WWE हॉल ऑफ फेमर योकोजुना अपने करियर

के दौरान लगभग 600 पाउंड के थे। उन्हें हमेशा अपने वजन से परेशानी रही। जिमी उसो ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने योकोजुना और अन्य पहलवानों को 100 टर्की टेल ग्रिल करते देखा था। योकोजुना ने लगभग आधा हिस्सा अकेले ही खा लिया था। इससे जिमी को समझ आया कि वे सब इतने बड़े कैसे हो गए। योकोजुना अपने समय में WWE के बड़े स्टार थे और दो बार WWE चैंपियन भी बने। वे अनोआ'ई परिवार का हिस्सा थे, जिनके ज्यादातर सदस्य बड़े शरीर वाले होते हैं।

योकोजुना का वजन उनके करियर में एक मुद्दा था। लेकिन उन्होंने WWE में अच्छा प्रदर्शन किया। वे दो बार चैंपियन बने। उनका परिवार, अनोआ'ई परिवार, बड़े शरीर वाले पहलवानों के लिए जाना जाता है। योकोजुना अनोआ'ई परिवार से थे। इस परिवार के कई सदस्य WWE में बड़े नाम हैं। योकोजुना की सफलता और उनके बड़े शरीर की कहानी आज भी लोगों को याद है।

योकोजुना की डाइटयोकोजुना, एक प्रसिद्ध पहलवान थे। उनकी डाइट बहुत मशहूर थी। योकोजुना की डाइट में बहुत ज्यादा कैलोरी होती थी। इसमें अंडे, चिकन और चावल शामिल थे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वे रोजाना 240 अंडे खाते थे। साथ ही, 12 चिकन के पीस यानी कि लगभग 3 KG चिकन और एक बाल्टी चावल भी खाते थे। उन्हें मांस भी बहुत पसंद था। वे टर्की की पूंछ कभी-कभी खाते थे। उन्हें मेयोनेज भी बहुत पसंद था।

कहीं पाकिस्तान 'खेल' न कर दे...! खाड़ी देशों से आने वाले सामान पर भारत की नजर, सख्ती से हो रही जांच

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत सरकार यूएई, ईरान और कुछ अन्य खाड़ी देशों से आने वाले सामान की जांच कर रही है। कुछ ट्रांसशिपमेंट हब पर भी नजर रखी जा रही है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पाकिस्तान से कोई भी सामान इन रास्तों से भारत में न आए।

इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार अधिकारियों का कहना है कि आयातित सामान पर लगे लेबल और सामान की उत्पत्ति के नियमों की सख्ती से जांच की जा रही है। पहले भारत ने यूएई के साथ चिंता जताई थी कि पाकिस्तान से आने वाली खजूर यूएई के रास्ते भारत में आ रही है। अधिकारियों ने कहा कि यह भारत-यूएई कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (CEPA) का

गलत इस्तेमाल है।

भारत ने लगाया है बैन : पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से आने वाले सभी सामानों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। बैन में वह सामान भी शामिल है जो तीसरे देशों के माध्यम से आ रहा था। पाकिस्तान ने भी भारत के साथ सभी व्यापारिक संबंध तोड़ दिए हैं, जिसमें तीसरे देशों के माध्यम से होने वाला व्यापार भी शामिल है।

सामान की हो रही जांच : एक अधिकारी ने बताया कि यूएई और कुछ अन्य देशों जैसे ट्रांसशिपमेंट हब से आने वाले सामानों की जांच की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि उनमें पाकिस्तानी सामान तो नहीं है। रूल्स ऑफ ओरिजिन वो नियम हैं जो यह तय करते हैं कि किसी उत्पाद का राष्ट्रीय स्रोत क्या है और उस पर ड्यूटी में कितनी छूट मिलेगी। साथ ही इससे पता चलता है कि कोई सामान किस देश में बना है। इससे ड्यूटी में छूट मिलती है।

यूएई से कितना व्यापार : वित्त वर्ष 2025 में भारत का यूएई को वस्तुओं का निर्यात 36.63 अरब डॉलर था, जबकि उस देश से आयात 63.42 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 25 के अप्रैल-फरवरी अवधि में भारत ने 270.4 मिलियन डॉलर की खजूर का आयात किया। इसमें से 123.82 मिलियन डॉलर का खजूर यूएई से आया था। वहीं दूसरी ओर कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, जुलाई 2024 और फरवरी 2025 के बीच पाकिस्तान का यूएई को निर्यात 28% बढ़कर 1.2 बिलियन डॉलर हो गया।

अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत आए 160 अफगानी ट्रक, विशेष अनुमति के तहत मिली एंट्री, जानें क्या है इनमें

एजेंसी

नई दिल्ली।। भारत और तालिबान के बीच पहली बार राजनीतिक बातचीत हुई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से बात की। इसके बाद भारत ने एक खास कदम उठाया है। भारत ने अफगानिस्तान से 160 ट्रकों को अटारी बॉर्डर से आने की इजाजत दे दी है। इन ट्रकों में सूखे मेवे और नट्स हैं। हालांकि, भारत ने अभी तक काबुल में तालिबान की सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है।

सूत्रों से पता चला है कि पाकिस्तान ने पहले इन ट्रकों को वाघा बॉर्डर पर रोका। बाद में कुछ ट्रकों को अटारी में सामान उतारने की इजाजत दी गई। बता दें कि भारत ने 23 अप्रैल को

अटारी-वाघा बॉर्डर बंद कर दिया था। एक दिन पहले पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान पहले अफगानिस्तान से भारत को एकतरफा व्यापार की इजाजत देता रहा है। इससे अफगानी सामान भारत को निर्यात किया जाता था, लेकिन भारत से अफगानिस्तान को कुछ नहीं भेजा जाता था।

दोनों देशों के बीच कितना व्यापार : दक्षिण एशिया में भारत, अफगानिस्तान का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। यहां लगभग 1 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। विदेश मंत्री जयशंकर और अफगान मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात 15 मई को हुई थी। पाकिस्तान की वजह से व्यापार में दिक्कतें आ रही हैं। फिर भी, भारत दक्षिण एशिया में अफगानी उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार है। हाल ही में पाकिस्तान ने एक बार भारत को अफगानिस्तान सामान भेजने की इजाजत दी थी। यह साल 2021 के अंत में हुआ था। भारत ने अफगानिस्तान को 50,000 टन गेहूं भेजने का प्रस्ताव रखा था। अफगानिस्तान में सूखे की वजह से लोगों को परेशानी हो रही थी। तालिबान ने पाकिस्तान पर दबाव डाला कि वह गेहूं की सप्लाई को न रोके।

अफगानिस्तान को दिया धन्यवाद : मुत्ताकी ने जयशंकर को गुरुवार को फोन किया था। वह जल्द ही ईरान और चीन जाने वाले हैं। भारत इस बात को बहुत महत्वपूर्ण मानता है। दोनों नेताओं ने आपस में संपर्क में रहने की बात कही। जयशंकर ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मुत्ताकी को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात के लिए भी धन्यवाद दिया कि काबुल पाकिस्तान की बातों में नहीं आया।

'मिला जुला रिजल्ट, मैं 90 मीटर से ज्यादा...' दूसरे स्थान पर रहकर क्या बोले नीरज चोपड़ा?

एजेंसी

नई दिल्ली।। नई दिल्ली. भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा (नीर ण्प्दर्जे) ने दोहा डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया. उन्होंने तीसरे प्रयास में 90.23 मीटर का थ्रो फेंका. जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो भी है. नीरज ने दूसरा स्थान करने के बाद भी इसे मिला जुला प्रदर्शन बताया. इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि मैं 90 मीटर से ज्यादा भी फेंक सकता हूं.

नीरज चोपड़ा ने इवेंट के बाद कहा,' यह काफी मिला जुला रिजल्ट है. मैं 90 मीटर के लिए बहुत खुश हूं, लेकिन मैंने दूसरा स्थान हासिल किया है. यह मैंने तुर्कू और स्टॉकहोम में कंपीट किया था तो भी रिजल्ट आया था. मैंने

नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा और आज दूसरा स्थान हासिल किया. लेकिन मैं जूलियन वेबर के लिए भी बहुत खुश हूं. उन्होंने 91 फेंका. हम इतने सालों से यह कोशिश कर रहे थे. आखिरकार आज हम इसे हासिल करने में सफल रहे.'

उन्होंने बताया कि उनकी कमर उनके प्रदर्शन में रुकावट बनी है. नीरज ने कहा, 'पिछले कुछ सालों से मुझे हमेशा कमर में कुछ न कुछ महसूस होता रहता था. इस वजह से मैं अपना 100 प्रतिशत नहीं दे पाता था. इस साल मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं. हम कुछ पहलुओं पर भी काम करेंगे और इसलिए मुझे विश्वास है कि मैं इस साल आने वाली प्रतियोगिताओं में 90 मीटर से अधिक फेंक सकता हूं.'

नीरज ने साल 2016 में दक्षिण एशियाई और विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था. ठीक उसी सालों एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप में सिल्वर और 2017 एशियाई चैंपियनशिप में गोल्ड जीता. गोल्ड कोस्ट में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने 86.47 मीटर के साथ गोल्ड जीता था. नीरज को सबसे ज्यादा प्रसिद्धि तब मिली जब उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा

सैलरी वाले भी ध्यान दें... प्रॉपर्टी, शेयर, पेंशन से हुई है कमाई तो भरना होगा ITR-2 फॉर्म, जानें और किनके लिए है जरूरी

एजेंसी

नई दिल्लीः सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (CBDT) ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म-2 (ITR-2) को जारी कर दिया है। ITR-2 ज्यादातर टैक्सपेयर्स के लिए जरूरी है, खासकर सैलरी पाने वाले कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए।

यह फॉर्म 1 अप्रैल, 2025 से लागू हो गया है, यानी इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही। खास बात यह है कि जिन लोगों को सैलरी या पेंशन से इनकम होती है या जिनकी एक से ज्यादा प्रॉपर्टी से इनकम होती है, वे ITR-2 का इस्तेमाल करके अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

यह भी जरूरी है कि प्रॉपर्टी या दूसरे निवेशों को बेचने पर होने वाले कैपिटल गेन या नुकसान, चाहे वे लॉन्ग-टर्म हों या शॉर्ट-टर्म, को भी इस घ्र्ळें में बताना होगा।

...तो सैलरी वालों को भी जरूरी : ITR-2 उन सैलरी पाने वाले टैक्सपेयर्स के लिए है जो इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड में भी निवेश करते हैं। सैलरी पाने वाले लोगों को ITR-1 की जगह ITR-2 का इस्तेमाल करना होता है, अगर उनके पास एक से ज्यादा घर हैं, अगर उनकी कोई संपत्ति भारत से बाहर है, या अगर उनकी कुल इनकम 50 लाख रुपये से ज्यादा है।

इस बार हुए ये बदलाव : पहले एसेट और लायबिलिटी के बारे में जानकारी तभी देनी होती थी जब किसी व्यक्ति की कुल इनकम 50 लाख रुपये से ज्यादा होती थी। लेकिन, नए ITR-2 में यह नियम तभी लागू होगा जब कुल इनकम 1 करोड़ रुपये से ज्यादा होगी। इससे उन लोगों को राहत मिलेगी जिनकी सालाना इनकम 50 लाख से 1 करोड़ के बीच है, क्योंकि उन्हें अपनी संपत्ति और देनदारियों का हिसाब नहीं देना होगा।

जनखबर
RNI No. DELHIN/2013/52747
संपादक : एस.एन. गुप्ता
मुख्य कार्यालय
J-23A, लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट, नई दिल्ली-24
मोबाईल : 9810683954
Email:jankhabarnews@gmail.com
स्वत्वाधिकारी स्वामी एस.एन. गुप्ता के लिए प्रकाशक और मुद्रक पंकज संधू द्वारा मारूति नंदन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स ए-15, बड़ा बाग, जी.टी. कर्नाल रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित एवं जे-23ए, लाजपत नगर-II नई दिल्ली-110024 से प्रकाशित

500 से ज्यादा फिल्में करने वालीं एक्ट्रेस ने बांधे माधुरी दीक्षित की तारीफों के पुल

बॉलीवुड की दुनिया में अरुणा ईरानी काफी जाना माना नाम हैं, उन्होंने 500 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. इस दौरान एक्ट्रेस के काफी सारे फैंस भी बनें. अरुणा ने कई सारे डांस नंबर्स भी दिए हैं, जो कि फेमस भी हुए थे, इनमें दिलबर दिल से प्यार, मेरी बेरी के बेर जैसे और भी कई गाने शामिल हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में इंडस्ट्री की एक्ट्रेसेस के बारे में जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने माधुरी दीक्षित के बारे में बात की है. दोनों ही एक्ट्रेस साथ में कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. माधुरी दीक्षित फिल्मी दुनिया के उन चर्चित नामों में शामिल हैं, जो कि इंडस्ट्री में एक्टिव रहें या न रहें फिर भी उनका जिक्र होता है. हाल ही में माधुरी दीक्षित ने अपना जन्मदिन भी सेलिब्रेट किया था. ऐसे में अरुणा ईरानी ने भी एक्ट्रेस के बारे में बात की है. उन्होंने एक्ट्रेस के बारे में बात करते हुए बताया कि वो अच्छी एक्ट्रेस होने के साथ ही साथ एक बेहतरीन इंसान भी हैं. हालांकि, दोनों की मुलाकात फिल्मी दुनिया में माधुरी की एंट्री से पहले हो चुकी थी.

अरुणा ने अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि माधुरी ने अपने आप में बहुत ज्यादा बदलाव आया है. एक्ट्रेस ने कहा माधुरी अपनी सहेली के साथ मुझसे मिलने मेरे घर आई थीं, ये मुलाकात इंडस्ट्री में ब्रेक मिलने से कई साल पहले की है. इस दौरान माधुरी ने अरुणा से पूछा था कि क्या उन्हें एक्ट्रेस बनने की कोशिश करनी चाहिए या नहीं. इस पर अरुणा ने उनकी दोस्त को बताया कि माधुरी का लुक काफी सिंपल है. लेकिन, जिस तरह से उन्होंने खुद को बदला, वह काबिले तारीफ है.

पहले के वक्त की बात करते हुए अरुणा ने कहा कि उस समय की एक्ट्रेसेस बहुत ग्लैमरस होती थीं, उस दौरान माधुरी एक साधारण पड़ोस की लड़की थी. लेकिन, माधुरी ने खुद को संवारा और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उनकी खूबसूरती और प्रतिभा ने उन्हें एक अदाकारा के तौर पर आगे बढ़ने में मदद की. दोनों एक्ट्रेसेस ने साथ में बेटा, दिल तो पागल है जैसी फिल्मों में साथ काम किया है, इस पर अरुणा ने कहा कि उसने कभी किसी को यह महसूस नहीं होने दिया कि वह एक बड़ी हीरोइन है. साथ में काम करने को लेकर अरुणा ने कहा कि 'जब हम बेटा फिल्म कर रहे थे, तब माधुरी एक हीरोइन के तौर पर अभी भी नई थी. उन्हें अभी-अभी बड़े रोल और फिल्में मिलनी शुरू हुई थीं. मैं सीनियर थी और वो सीनियर्स का सम्मान करना जानती थीं, इसलिए, हमारे बीच कोई टकराव नहीं था.' एक्ट्रेस ने आगे कहा कि उसे अपने स्टारडम का कोई अंदाज़ा नहीं है, वह बहुत अच्छी हैं.

मां ने परिवार के खिलाफ जाकर मुस्लिम लड़के से की दूसरी शादी, झेली मार-पीट, एक्ट्रेस बेटी ने कराया पैरेंट्स का तलाक

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरूआत करने के बाद एक्ट्रेस रीम शेख ने छोटे पर्दे पर अपनी अलग पहचान बनाई. इन दिनों 'सिलेब्रिटी लाफ्टर शेफ्स' में दिख रहीं एक्ट्रेस रीम शेख ने अपने हालिया इंटरव्यू में अपने परिवार के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं.

रीम शेख टीवी की दुनिया में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. हाल ही में उन्होंने नयनदीप रक्षित के साथ पॉडकास्ट में अपने परिवार और अपनी निजी जिंदगी के बारे में हैरान करने वाले खुलासे किए. उन्होंने अपनी लाइफ के अनसुने पहलुओं से वाकिफ कराया.

22 साल की एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उनका बचपन सामान्य नहीं रहा है. अपने आप को तारे जमीन का ईशान से रिलेट करती हुई रीम कहती हैं कि उन्होंने अपने बचपन में अपने माता-पिता को लड़ते हुए देखा था. वो अपने ही घर में रोज मार-पीट देखतीं जिसकी वजह वो डरी-सहमी सी रहती थीं.

रीम शेख के साथ उनकी मां भी पॉडकास्ट का हिस्सा रही थीं. एक्ट्रेस की मां ने बताया कि उन्होंने 21 साल की उम्र में अपने परिवार के खिलाफ जाकर मुस्लिम लड़के से निकाह किया था. वो प्यार में इस कदर दीवानी हो गई थीं कि उन्होंने अपने परिवार की भी एक नहीं सुनी और झटपट सबके खिलाफ जाकर शादी कर ली थी.

रीम शेख के पिता मुस्लिम हैं, लेकिन उनकी मां हिंदू हैं और उनका नाम शीतल है. रीम की मां शीतल बताती हैं कि जब उन्होंने परिवार से बगावत करके मुस्लिम लड़के को हमसफर बनाया, तो उनके परिवार ने उनसे रिश्ता तोड़ लिया था. 5 साल तक उनके परिवार ने उनसे कोई रिश्ता नहीं रखा था.

एक्ट्रेस की मां कहती हैं कि परिवार की नाराजगी के चलते वो अपने दो छोटे भाइयों की शादी में भी शामिल नहीं हो पाई थीं जिसका उन्हें आज भी मलाल है. शादी के कुछ समय बाद ही वो मां बन गई थीं और 5 साल बाद जब उनकी बेटी ने टीवी में काम करना शुरू किया तो उनके परिवार ने उनसे बातचीत दोबारा शुरू की.

रीम शेख ने शो पर अपने पेरेंट्स के तलाक की पुष्टि करते हुए कहा कि लोग उनकी फैमिली को सोशल मीडिया पर ट्रोल करते हैं, तो वो सबको बताना चाहती हैं कि उनेक पेरेंट्स का तलाक हो चुका है. रीम की मां कहती हैं कि उनकी छोटी सी बेटी में बचपन से ही बहुत समझ है.

एक्ट्रेस की मां के खुलासों के मुताबिक रीम शेख ने ही उन्हें तलाक लेने की नसीहत दी थी. शीतल कहती हैं कि उनकी बेटी ने उन्हें समझाया था कि रोज-रोज दर्द और तकलीफ सहने से अच्छा है कि वो एक बार का दर्द सहें और इस तकलीफ से हमेशा के लिए छुटकारा पालें.

अपनी सौतेली बहन के बारे में बात करते हुए रीम शेख कहती हैं कि उनकी मां की तरफ से एक सौतेली बहन है. रीम शेख के पिता के साथ उनकी मां शीतल की दूसरी शादी थी. रीम की सौतेली बहन रिया एक एयरहोस्टेस हैं और वो अक्सर देश से बाहर ही रहती हैं.

डेब्यू करते ही बनीं स्टार, बैक टू बैक लगी ऑफर्स की झड़ी

एक एक्ट्रेस ऐसी हैं जिन्हें 16 साल की उम्र में राज कपूर ने ढूंढा था. ऐसे में उन्होंने कपूर खानदान की फिल्म से डेब्यू किया और पहली ही फिल्म ब्लॉकबस्टर हो गई. फिल्म का सबसे ज्यादा श्रेय गया था खूबसूरत एक्ट्रेस को. जिन्होंने फ्लॉप हो रहे एक्टर की भी नैया पार लगा दी थी. जी हां, हम बात कर रहे हैं मंदाकिनी की, जिन्होंने राम तेरी गंगा मैली हो गई फिल्म से डेब्यू किया. फिल्म में वह राजीव कपूर के अपोजिट नजर आईं. राजीव की करियर की ये इकलौती सबसे ब्लॉकबस्टर फिल्म थी.

मंदाकिनी ने 80 के दशक में एंट्री की. जब पहले से ही पूनम ढिल्लो, मीनाक्षी शेषाद्रि और कई हिट एक्ट्रेस का राज था. फिर भी मंदाकिनी ऐसे आईं मानो कोई तूफान. एक बार उन्होंने इंटरव्यू में बताया था कि करियर की पीक पर उन्हें एक ही समय में कई फिल्में ऑफर होती थीं लेकिन 2-3 बार तो ऐसा हुआ कि फिल्म ठप्प पड़ गईं.

कैसे 10 दिन बाद ही शूटिंग हो गई बंद : कपिल शर्मा के शो में मंदाकिनी एक बार नजर आई थीं. तब कपिल शर्मा ने उनसे उनके करियर की पीक के बारे में पूछा था. मंदाकिनी ने बताया था कि ब्लॉकबस्टर डेब्यू देने के बाद उनके पास कई ऑफर आने लगे थे. वह करियर की पीक पर थीं. ऐसे में कुछ फिल्मों के ऐसे भी ऑफर आते थे. जिन फिल्मों की शूटिंग शुरू भी होती, एंडवास रकम भी मिल जातीष्ठफिर किसी न किसी कारण से फिल्म बंद पड़ जाती. एक बार तो उन्होंने फिल्म की 10 दिन शूटिंग भी कर ली थी और फिर मेकर्स का अता पता तक नहीं था कि आखिर क्या हुआ.

मेरठ की मंदाकिनी : मंदाकिनी का असली नाम यासमीन जोसेफ हैं जिनके पिता ब्रिटिश तो मां कश्मीरी हैं. उन्होंने 16 साल की उम्र में काम करना शुरू किया. राज कपूर ने ही उन्हें मंदाकिनी स्टेज नाम दिया था. साल 1985 में उन्होंने राम तेरी गंगा मैली हो गई में काम कयिा और ये फिल्म सुपरहिट रही. इतना ही नहीं, उनके बोल्ड अंदाज की भी चर्चा रही थी.

मंदाकिनी की फिल्में : आगे चलकर उन्होंने ओम, जीवा, आग और शोला, अपने अपने, लोहा, डांस डांस, प्यार मोहब्बत से लेकर जोरदार तक उन्होंने काम किया. मगर उनकी सबसे फेमस और ब्लॉकबस्टर फिल्म राम तेरी गंगा मैली हो गई ही थी.

हेरा फेरी 3 से 'बाबू भैया' OUT, सुनील शेट्टी ने किया रिएक्ट, बोले- आप एक को निकालते हैं...

बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक कॉमेडी फिल्म 'हेरा फेरी' की तीसरी कड़ी जल्द दर्शकों को सामने होगी. आप भी इस फिल्म को बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो ये खबर आपके लिए हैं. फिल्म में राजू और श्याम के साथ बाबू भईया यानी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की तिगड़ी इस बार नजर नहीं आने वाली. पिछले काफी समय से ये चर्चा थी कि फिल्म में इस बार परेश रावल 'बाबू भैया' के अवतार में नहीं होंगे. इस खबर पर खुद एक्टर ने मुहर लगाई है. परेश रावल के फिल्म में नहीं होने पर सुनील शेट्टी ने रिएक्ट किया है.

परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के तीसरे सीक्वल से हाथ पीछे खींच लिए हैं. परेश रावल अपने फेमस किरदार बाबूराव के साथ दर्शकों को एंटरटेन करते दिखाई नहीं देंगे. इस बात को उन्होंने खुद स्वीकार किया है

परेश रावल क्यों नहीं हैं हेरा फेरी 3 का हिस्सा : बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, परेश रावल ने इन अफवाहों को सही करार देते हुए कहा कि हां, ये सच है.मैं अब हेरा फेरी 3 में काम नहीं करूंगा. फिल्म से परेश रावल के बाहर होने का कारण मेकर्स के साथ क्रिएटिव डिफरेंसेज बताया जा रहा है.

फैंस होंगे निराश : परेश रावल हेरा फेरी के दो भागों में 'बाबूराव' का सबसे अहम किरदार निभा चुके हैं और उनके किरदार को काफी पसंद किया जाता है. आज भी आए दिन उनके क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं और मीम्स की दुनिया का भी अटूट हिस्सा हैं. ऐसे में उनका फिल्म से बाहर होने का फैसला उनके फैंस को निराश कर सकता है.

क्या 'बाबूराव' की हेरा फेरी 3 में होगी वापसी : बता दें, हेरा फेरी 3 के ऐलान के पहले अक्षय कुमार भी फिल्म का हिस्सा नहीं थे. वो भी मेकर्स के साथ क्रिएटिव डिफरेंसेज के चलते फिल्म से नहीं जुड़ रहे थे, लेकिन फिर वापस फिल्म का हिस्सा बने. वहीं, प्रियदर्शन पहले इसे डायरेक्ट करने से मना कर रहे थे, जिन्होंने फिल्म में डायरेक्टर के रूप में वापसी की और अब फैंस का मानना है कि कहीं ना कहीं परेश रावल भी मेकर्स के साथ बातचीत और क्रिएटिव डिफरेंस दूर करने के बाद फिल्म क हिस्सा बन सकते हैं.

सुनील शेट्टी ने किया रिएक्ट : बॉलीवुड बबल से बातचीत में उन्होंने हेरी फेरी 3 पर रिएक्ट किया. उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, मैं बॉर्डर का हिस्सा था लेकिन सभी को समान प्यार और तारीफ मिली और आज तक हम उन किरदारों को याद करते हैं. जब 'हेरा फेरी' की बात आती है, तो अगर इसमें बाबू भईया (परेश रावल) और राजू (अक्षय कुमार) नहीं हैं, तो श्याम (सुनील शेट्टी) का अस्तित्व ही नहीं है. उसका कोई मतलब नहीं है. आप उनमें से किसी एक को निकाल देते हैं और फिल्म नहीं चलती.'

काला हिरण शिकार केस में सलमान खान की मुश्किलें बढ़ीं, फिर लपेटे में सैफ-तब्बू और सोनाली बेंद्रे, होगी सुनवाई

काला हिरण शिकार मामले में सलमान खान की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. इतना ही नहीं, इस मामले से बरी हुए सैफ अली खान, नीलम, तब्बू और सोनाली बेंद्रे की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं. दरअसल, शुक्रवार को राजस्थान हाईकोर्ट में काले हिरण के शिकार मामले में लीव-टू-अपील पर सुनवाई हुई. इसमें एक्टर सैफ अली खान, एक्ट्रेस तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी है. जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत ने मामले को अन्य संबंधित केसों के साथ सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है. एडवोकेट महिपाल बिश्नोई ने बताया कि 1 अक्टूबर 1998 को जोधपुर के कांकाणी गांव में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग के दौरान काले हिरण का शिकार किया गया था. इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने 5 अप्रैल 2018 को सलमान खान को दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी. वहीं, सह आरोपी सैफ अली खान, नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को बेनिफिट ऑफ डाउट देते हुए बरी कर दिया था.

महिपाल बिश्नोई ने कहा कि राज्य सरकार की अपील पर ट्रांसफर पिटीशन की अनुमति और एक्टर सलमान खान की सजा से जुड़े मामले को भी शामिल किया जाएगा. मामले की सुनवाई 28 जुलाई को होगी, जिसमें सभी संबंधित केसों पर एक साथ सुनवाई होगी.

तुर्की विवाद पर कमेंट करने से तुषार कपूर ने किया इनकार, बोले- 'मुझे नहीं पता क्या चल रहा'

फिल्म 'कंपकंपी' की रिलीज को लेकर उत्साहित अभिनेता तुषार कपूर ने तुर्किये और अजरबैजान के विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है. बुधवार को मुंबई में 'कंपकंपी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि उन्हें तुर्किये और अजरबैजान के मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है, खासकर भारत और पाकिस्तान के हालिया तनाव को देखते हुए.

भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया था, जिससे आम लोगों और फिल्म इंडस्ट्री में आक्रोश फैला. कई सितारों ने 'बॉयकॉट तुर्किये' का समर्थन किया, जिनमें अभिनेत्री रूपाली गांगुली और गायक विशाल मिश्रा भी शामिल हैं.

फिल्म के बारे में भी किया रिएक्ट : जब तुषार कपूर से पूछा गया कि क्या यह फिल्म रिलीज का सही समय है, तो उन्होंने कहा, 'हर फिल्म की अपनी एक शैली होती है और हॉरर-कॉमेडी मौजूदा परिस्थिति में दर्शकों के लिए खास है. इस फिल्म में वह सब कुछ है, जो हमारे दर्शक थिएटर में देखना चाहेंगे.'

तुर्की विवाद पर क्या बोले तुषार कपूर : तुर्की और अजरबैजान विवाद के बारे में उन्होंने कहा, 'मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन हम भारतीय सेना के साथ हैं और नियम का पालन करते हैं. थिएटर खुले हैं और फिल्में चल रही हैं, जिसका मतलब है कि लोग सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और यह विश्वास हमारी मजबूत सरकार से आ रहा है. हालांकि, मैं इस विषय पर अधिक नहीं कह सकता क्योंकि मेरे पास पर्याप्त जानकारी नहीं है.'

मलयालम फइलम की है रीमेक : ब्रावो एंटरटेनमेंट के तहत जयेश पटेल और उमेश कुमार ने इस फिल्म का निर्माण जी स्टूडियो के साथ मिलकर किया है. 'कंपकंपी' जीतू माधवन की मलयालम ब्लॉकबस्टर 'रोमांचम' की हिंदी रीमेक है, जो 2023 में रिलीज हुई थी.

कंपकंपी की कास्ट और रिलीज डेट : फिल्म में तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े के साथ सोनिया राठी, सिद्धि इदनानी, अभिषेक कुमार, जय ठक्कर, वरुण पांडे, धीरेंद्र तिवारी और दिनकर शर्मा जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं. 'कंपकंपी' 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

'हीरो की फीस में चला जाता है 30-40 फीसदी बजट', प्रोड्यूसर ने SRK-सलमान और आमिर का लिया नाम

प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर 'बर्फी', 'हैदर' और 'दंगल' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड की इकोनॉमिक्स को लेकर अपनी बात रखी. ण्ँण-ऊन्न18 के साथ बातचीत में सिद्धार्थ ने बताया कि जब किसी बड़ी फिल्म में बड़े सितारों के साथ काम किया जाता है, तो फिल्म के बजट का कम से कम 30-40 फीसदी हिस्सा उनकी फीस में चला जाता है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अब एक्टर अपनी शुरुआती फीस में कटौती कर रहे हैं और फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी लेने की ओर रुख कर रहे हैं.

सिद्धार्थ रॉय कपूर ने कहा, 'अगर कोई प्रोजेक्ट बड़ा है, तो उसका 30 से 40 फीसदी बजट सिर्फ स्टार की फीस में चला जाता है. यही चीज हॉलीवुड में भी होता है. अगर टॉम क्रूज टॉप गनः मावेरिक कर रहे हैं, तो उस फिल्म के बजट का बड़ा हिस्सा उनकी फीस में जाता है. लेकिन ऐसा इसलिए होता है. क्योंकि उस फिल्म को टॉम क्रूज की वजह से जबरदस्त ओपनिंग मिलती है. हमारी फिल्मों में भी यही स्थिति है. मेरा मतलब है कि अगर सलमान खान, आमिर खान, शाहरुख खान या ऋतिक रोशन किसी फिल्म में हों, तो फिल्म का बजट उन पर आधारित होता है.'

एक्टर्स का बदला फीस लेने का मॉडल : जब पूछा गया कि क्या बड़े एक्टर अब अपनी सैलरी में कटौती कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'मैं इसे सैलरी कट नहीं कहूंगा, लेकिन हां, अब वे फ्रंट एंड यानी शुरुआती फीस की बजाय बैक एंड में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं. इसका मतलब है कि शुरुआत में कम फीस लेना और फिर फिल्म के प्रॉफिट में हिस्सेदार बनना. आगे चलकर यह मॉडल ज्यादा रेवेन्यू-शेयर आधारित होता जाएगा.'

फिल्म के प्रॉफिट में लेते हैं हिस्सेदारी : सिद्धार्थ रॉय कपूर ने आगे कहा, 'इसमें एक हिस्सा तो होता है, जो पहले से ही फिल्म की लागत में शामिल होता है यानी एक्टर की फीस और दूसरा हिस्सा होता है मुनाफे में हिस्सेदारी का. इसलिए प्रोजेक्ट की कुल लागत को कम करने के लिए शुरू में दी जाने वाली फीस को कम किया जा सकता है. जब फिल्म सफल होती है, तो सभी को फायदा होता है. मुझे लगता है कि यह तरीका अब आगे चलकर और भी ज्यादा आम होता जा रहा है.'

मेकर्स और एक्टर्स को होता है मुनाफा : प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर ने आखिर में जोर देकर कहा कि मुनाफे में साझेदारी का चलन बॉलीवुड में तेजी से बढ़ रहा है और यह न केवल एक्टर्स के लिए, बल्कि मेकर्स के लिए भी ज्यादा फायदेमंद साबित हो रहा है.

नई फिल्म लेकर रहे आमिर खान : वर्क फ्रंट की बात करें तो आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'सितारे जमीन पर' लेकर आ रहे हैं. यह मूवी 20 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी. वहीं, शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' होगी, जिसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी दिखेंगी. वहीं, सलमान खान की अगली फिल्म का अभी तक ऑफिशियली ऐलान नहीं हुआ है.